सनातन संस्कृति का संवाहक

सिंहस्थ लोक

हिन्दी मासिक

Title Code- MPHIN38266 | वर्ष - 01 | अंक - 09 | उज्जैन, बुधवार, 15 नवंबर 2023 | पृष्ठ - 08 | मूल्य - ₹ 05 | संपूर्ण मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में एकसाथ प्रसारित

राहुल गांधी ने भोपाल में किया रोड शो

MP में 145+ सीट जितेगी कांग्रेस

सिंहस्थ लोक ♦ भोपाल

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश में 150 सीट जीतने का दावा किया है। उन्होंने सोमवार को भोपाल में रोड शो कर जनसभा को संबोधित किया। राहुल का रोड शो शाम 5.45 बजे उत्तर विधानसभा के इमामी गेट से शुरू हुआ जो मध्य विधानसभा के काली मंदिर के सामने समाप्त हुआ। करीब दो किलोमीटर के इस रोड शो में राहुल ट्रक में सवार होकर जनता का अभिवादन करते हुए चल रहे थे।

उन्हें देखने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। हर कोई राहुल की एक झलक पाना चाहता था। राहुल के साथ उत्तर से कांग्रेस प्रत्याशी अतीफ अकील, मध्य से प्रत्याशी आरिफ मसूद, प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, प्रभारी सुरजेवाला सहित कांग्रेस के अन्य नेता मौजूद रहे। इसके बाद उन्होंने नरेला विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला के पक्ष में अशोक गार्डन में कॉर्नर सभा की। राहुल ने कहा कि देश के तीन बड़े व्यपारियों का कारोबार पर कब्जा है। कर्नाटक में भाजपा नेता कह रहे थे हम जीतेंगे लेकिन जवाब जनता ने दे दिया। उन्होंने कहा कि एमपी में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। इसमें भाजपा के सब नेता जुड़े हुए हैं। एमपी में एमबीबीएस की सीट बिकती है। प्रधानमंत्री मोदी एमपी के भ्रष्टाचार पर कोई कार्रवाई नहीं करते। उन्होंने कहा कि एमपी में लाखों लोगों को कोविड में इलाज नहीं मिला।

पीएम ने कहा एमपी में 500 फैक्टियां लगवाई हैं, किसी ने ये देखी : राहुल

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है

हरदा-नीमच की चुनावी सभा के बाद शाम को राहुल गांधी भोपाल पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 1 घंटे रोड शो किया। राहुल गांधी ने भोपाल शहर के चार बत्ती चौराहे पर नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा- नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। राहुल गांधी एयरपोर्ट से उतरकर इमामी गेट पहुंचे। जहां 5:40 बजे रोड शो शुरू हुआ। जो पीर गेट से मोती मस्जिद होते हुए सरस्वती प्रकाशन के सामने से गुजरा। काली मंदिर के सामने रोड शो खत्म हुआ। राहुल आज रात भोपाल में ही रूकेंगे।

कांग्रेस के वादे

- महिलाओं को डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह और पांच सौ रुपये में रसोई गैस सिलेंडर
- एक करोड़ से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली निश्शुल्क और 200 यूनिट आधी दर पर
- कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू
- 5 हार्सपावर तक के कृषि पंप के लिए निश्शुल्क बिजली
- पुराने बिजली बिल की माफी
- सिंचाई के लिए 12 घंटे बिजली
- स्कूली बच्चों को प्रतिमाह 500 से 1,500 रुपये देने के लिए पढ़ो पढ़ाओ योजना
- 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या वाले आदिवासी बहुल क्षेत्र छठवीं अनुसूची में शामिल करने का वचन
- ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण
- सरकार में आने पर जाति आधारित गणना
- ढाई हजार रुपए प्रति क्विंटल धान और ₹2600 क्विंटल की दर पर गेहूं खरीदी
- 2 रुपये किलो की दर से गोबर खरीदा जाएगा
- नंदिनी योजना प्रारंभ होगी
- 2 लाख पदों पर भर्ती की जाएगी
- युवा स्वाभिमान योजना प्रारंभ होगी 1500 से 3000 रुपये तक दिए जाएंगे
- 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा देंगे
- स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनाया जाएगा
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना 1200 रुपये प्रतिमाह की जाएगी
- मेरी बेटी योजना में 2 लाख 51 हजार रुपये दिए जाएंगे

शिवराज को भेजेंगे मुंबई

प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने जनसभा में कहा कि हर चुनाव का अपना अलग मायने होता है। मैंने 44 साल तक चुनाव लड़े हैं और जीते हैं। यह चुनाव जो 17 नवंबर को होने वाला है यह सिर्फ मनोज शुक्ला का या किसी पार्टी का नहीं है। यह चुनाव मध्यप्रदेश के भविष्य का है और आप मध्य प्रदेश के भविष्य के रक्षक हैं। उन्होंने कहा कि शिवराज जी 4 महीने से कह रहे हैं कि 450 रुपये में सिलिंडर दूंगा, क्या किसी को 450 रुपये में सिलिंडर मिला। हम शिवराज सिंह चौहान को बेरोजगार नहीं करेंगे बल्कि एक्टिंग करने मुंबई भेजेंगे। सुबह 18 साल से जो एक्टिंग मध्य प्रदेश में कर रहे हैं उसे मुंबई जाकर करेंगे और हम लोग उनके अभिनय को टीवी पर देखेंगे।

खुली जीप में सवार होकर डेढ़ किलोमीटर चले; देवी अहिल्या की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

इंदौर में पीएम मोदी का मेगा रोड-शो

सिंहस्थ लोक ♦ इंदौर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश में अपने प्रचार कैंपेन का समापन मंगलवार की शाम को इंदौर में रोड शो से किया। एक ही दिन में उन्होंने बैतूल के साथ मालवा-निमाड़ को साधते हुए शाजापुर और झाबुआ में चुनावी सभाएं की तो इंदौर में खुली जीप में सवार होकर डेढ़ किमी के रोड शो से शहर की तीन विधानसभाओं के वोटरों को संदेश दिया। रोड शो के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी जीप में सवार थे। जिले की सभी 9 सीटों से मैदान में उतरे भाजपा के प्रत्याशी राजबाड़ा चौराहा पर प्रधानमंत्री से मिले।

52 मिनिट में तीन विधानसभाओं में पीएम का रोड-शो

इंदौर में पीएम मोदी का मेगा रोड शो करीब 52 मिनट चला। झाबुआ से वे सीधे एयरपोर्ट पहुंचे और इसके बाद बड़ा गणपति चौराहा से रोड शो की शुरुआत हुई। बड़ा गणपति से खजूरी बाजार के बीच लोग प्रधानमंत्री के स्वागत में जमकर फूल बरसा रहे थे। रोड के दोनों ही ओर भारी संख्या में महिला-पुरूष और कार्यकर्ताओं के हाथों में भाजपा का ध्वज लहरा रहा था। शंख, मृदंग, थाली, घंटी और बाजों-गाजों के स्वरों के बीच प्रधानमंत्री का काफिला खजूरी बाजार से राजबाड़ा चौराहा की ओर आया। राजबाड़ा पहुंचे ही प्रधानमंत्री ने सबसे पहले देवी अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद प्रतिमा के सर्कल के बीच घूमकर लोगों का अभिभावदन करते हुए हाथ जोड़कर नमन किया। लाइव स्क्रीन पर रोड दिखाया जा रहा था।

मोदी-मोदी की गूंज

पीएम नरेन्द्र मोदी के रोड शो के दौरान मोदी-मोदी के नारे गूंजते रहे। खुली जीप में सवार होकर पीएम मोदी जहां से भी गुजरे मोदी-मोदी के नारे लगते रहे और फूलों की वर्षा होती रही। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी का मध्यप्रदेश में ये आखिरी कार्यक्रम था।

इंदौर में प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो के दौरान मुस्लिम समाज की महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंची। उन्होंने बताया कि तीन तलाक और लाड़ली बहना योजना ने समाज की महिलाओं को मजबूत बनाया है और जीवन जीने की एक नई दिशा दी है।

भाजपा के वादे

- 5 सालों तक गरीबों को मुफ्त राशन
- किसानों से 2700 रुपये प्रति क्विंटल पर गेहूं और 3100 रुपये प्रति क्विंटल पर धान की खरीदी
- किसान सम्मान निधि और किसान कल्याण योजना से किसानों को सालाना 12 हजार रुपये
- मध्यप्रदेश का कोई भी परिवार बेघर नहीं रहेगा प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ ही मुख्यमंत्री जन आवास योजना शुरु होगी
- लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता के साथ मिलेगा पक्का मकान
- प्रत्येक परिवार में कम से कम एक रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर
- 15 लाख ग्रामीण महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण द्वारा लखपति बनाएंगे
- लाड़ली लक्ष्मियों को जन्म से 21 वर्ष तक कुल 2 लाख रुपये दिया जाएगा
- गरीब परिवार की छात्राओं को केजी से पीजी मुफ्त शिक्षा
- उज्ज्वला और लाड़ली बहनों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर
- जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण के लिए 3 लाख करोड़ रुपये
- तेंदूपत्ता संग्रहण दर 4,000 रुपये प्रति बोरा
- एसटी ब्लॉक में एकलव्य विद्यालय और एसटी बहुल जिलों में मेडिकल कॉलेज खुलेगा
- गरीब परिवार के सभी छात्रों को 12वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा
- सरकारी स्कूल में मिड-डे मील के साथ मिलेगा पौष्टिक नाश्ता
- IIT और AIIMS के तर्ज पर मध्य प्रदेश इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी और मध्य प्रदेश इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस
- 13 सांस्कृतिक लोकों का होगा भव्य निर्माण
- 6 नए एक्सप्रेस वे का निर्माण- विंध्य एक्सप्रेस वे, नर्मदा, अटल प्रगति, मालवा निमाड़, बुंदेलखंड एवं मध्य भारत विकास पथ

विधानसभा चुनाव : जिले में 52 प्रत्याशी, खर्च की नियमित मॉनिटरिंग का पुख्ता सिस्टम नहीं

मैदान में नजर रखने वालों का पता नहीं

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

विधानसभा चुनाव की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही है। जिले की सात विधानसभा सीटों पर 52 प्रत्याशी हैं। इनके खर्च की नियमित मॉनिटरिंग का पुख्ता सिस्टम नहीं है। चुनावी मैदान में, नजर रखने वालों का पता नहीं है। खर्च का ब्यौरा उम्मीदवार और उनके प्रतिनिधि के भरोसे पर चल रहा है, जो जानकारी मिलती है उस पर भरोसा किया जा रहा है। शंका-कुशंका या शिकायत पर जांच होती है।

विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू की गई थी। इसके बाद जिला निर्वाचन विभाग ने संपत्ति विरूपण की प्रक्रिया और अन्य गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया है। प्रत्याशियों के व्यय पर नजर रखने के लिए भी एसएसटी और एफएसटी का गठन किया गया, लेकिन जिले में चुनाव लडऩे वाले प्रत्याशियों की गतिविधियों की जांच के लिए टीमें मैदान में नजर नहीं आती।

जिले में सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में 52 प्रत्याशियों पर नजर रखने की पुख्ता व्यवस्था नहीं है। प्रत्याशी खर्च की जो जानकारी दे रहे हैं, उसे ही मान लिया जा रहा है। इसकी नियमित निगरानी नहीं होती। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद ही जिले में निर्वाचन आयोग की सख्त नियमावाली लागू है। सभी विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों और सड़कों पर एसएसटी निगरानी कर रही है। प्रत्येक आने-जाने वाले वाहन को जांचा जा रहा है। एफएसटी भी विधानसभा क्षेत्रों का भ्रमण करती है। इसके बाद भी प्रत्याशी के खर्च की पुख्ता निगरानी नहीं होती। प्रत्याशी द्वारा प्रत्याशी ने कितने की माला खरीदी, कितने का प्रसाद चढ़ाया, कितने आरती में दिए ऐसे ही कई खर्च की मॉनिटरिंग नहीं होती है। जनसपंर्क के दौरान जिला निर्वाचन की टीमे मौजूद नहीं रहती है।

ऑनलाइन भुगतान बढ़ा

चुनाव के चलते नगदी लेकर चलना मुश्किल हो चुका है। पुलिस की चेकिंग के कारण लोगों ने नगदी लेकर चलना बंद कर दिया है। इसलिए अब ऑनलाइन भुगतान का प्रतिशत बढ़ गया है। आभूषणों की खरीदारी करने वाले अब ऑनलाइन भुगतान कर रहे हैं। असल में उसका प्रमुख कारण चुनाव के चलते लगी आचार संहिता में पुलिस और प्रशासन की चेकिंग है। जिसके कारण लोग नगदी रखकर नहीं निकल पा रहे हैं। इससे थोड़ा बहुत व्यापार प्रभावित हुआ पर ऑनलाइन भुगतान ने इस समस्या का समाधान भी दे दिया। इसलिए दुकानदार ऑनलाइन के सभी विकल्प खुले रख रहे हैं और ऑफर भी दे रहे हैं। दुकानदार ऑनलाइन भुगतान लेने के लिए सभी विकल्प खुले रखे हुए हैं। आनइलाइन भुगतान लेने के लिए क्रेडिट कार्ड, डेविट कार्ड, यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस और चैक से भुगतान भी ले रहे हैं। डेविट और क्रेडिट कार्ड की एक निर्धारित लिमिट होती है इसलिए लोग यूपीआई और एनईएफटी व आरटीजीएस का प्रयोग अधिक मात्रा में कर रहे हैं। त्योहारी मौसम में लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। चुनाव के चलते नगदी रखकर खरीददारी करने में परेशानी आ रही थी। इसका सामधान भी लोगों ने निकाल लिया।

शिकायत होने पर होती है कार्रवाई

जिला निर्वाचन आयोग द्वारा शिकायत के लिए कलेक्टर कार्यालय में कक्ष बनाया गया है। इसके अलावा सीविजल एप पर भी शिकायत की जा सकती है। जिला निर्वाचन कार्यालय भी शिकायत आने पर जांच कर कार्रवाई करता है। कई बार आमजन को उचित फोरम की जानकारी नहीं होने पर शिकायत नहीं कर सकते। जिला निर्वाचन विभाग की टीम खुद टीम में मौजूद रहकर कार्रवाई नहीं करती है। बता दें के उज्जैन जिले में सात विधानसभा क्षेत्र (नागदा-खाचरौद, महिदपुर, तराना, घट्टिया, उज्जैन-उत्तर, उज्जैन-दक्षिण और बडऩगर) हैं, जहां से चुनाव लडऩे को खड़े 52 प्रत्याशी मैदान में है।

रोज देनी होती है जानकारी

प्रत्याशियों को प्रतिदिन के खर्च की जानकारी जिला निर्वाचन विभाग को देनी होती है। प्रत्याशी दस हजार से अधिक नकद खर्च नहीं कर सकते हैं। सभी पेमेंट चेक से ही करने का प्रावधान है। रोजाना दी जाने वाली खर्च की जानकारी की जांच विधानसभा प्रेक्षक द्वारा कराई जाती है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार प्रतिभागियों द्वारा खर्च की जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय में दर्ज की जा रही है। प्रत्याशियों को भी प्रतिदिन होने वाले खर्च की जानकारी रजिस्टर्ड में दर्ज करनी होती है। इसकी जांच की जाती है। इसके अलावा नियिमित भी टीमें मॉनिटरिंग कर रही हैं।

यह कैसी आचार संहिता?

न संस्था का पता, ना मुद्रक का उल्लेख और बंट गया मतदान की अपील का पर्चा

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

मतदान की अपील के एक पर्चे से शहर में खासी हलचल मच गई है। विधानसभा चुनाव को लेकर अभी नामांकन की प्रक्रिया ही चल रही है, लेकिन अलग-अलग दल और नेताओं ने अपने लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाना शुरू कर दिया है। ऐसा ही एक मामला विनम्र अपील, मतदान अवश्य करें। इस शीर्षक के साथ शहर में वितरित किया गया है। इस पर्चे पर आचार संहिता के नियमों का पालन नहीं है, वहीं एक दल विशेष के पक्ष में मतदान करने का संकेत परिलक्षित हो रहा है।

विधानसभा चुनाव आचार संहिता के तहत किसी भी प्रकाशित प्रचार सामग्री के लिए कई निर्धारित मापदंड और नियम तय किए गए हैं। इसके बावजूद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रविवार की सुबह एक विशेष माध्यम से खास पर्चा घर-घर पहुंचाया गया है। निवेदक के तौर पर इसमें भारत स्वाभिमान मंच अंकित है।

इसके अलावा मतदान की अपील की गई है। पर्चे में सीधे-सीधे तो किसी के पक्ष में मतदान करने का नहीं कहा गया है लेकिन पर्चे की हर लाइन में जो कुछ लिखा गया है या शब्द और वाक्यों का उपयोग किया है उससे सहज अनुमान लगाया जा रहा है कि यह पर्चा मतदान करने के लिए नहीं बल्कि एक दल विशेष के कार्य और उपलब्धि के साथ-साथ भावनाओं को मतदाताओं तक पहुंचाना है। पर्चे में विधानसभा चुनाव को सेमिफाइनल और 2024 में होने वाले चुनाव को फाइनल बताया गया है। इसके साथ ही कई ऐसे बिन्दुओं को जिक्र किया गया है जो दल विशेष की विचारधारा और लक्ष्य को बयां कर रहे हैं।

न मुद्रक और न ही प्रकाशक का नाम

आचार संहिता के नियम अनुसार चुनावी सामग्री के अलावा राजनैतिक प्रचार सामग्री, मुद्रक, प्रकाशक, निवेदक का नाम तो स्पष्ट शब्दों में प्रकाशित करना ही है, प्रचार सामग्री की संख्या को भी पर्चे के किसी एक हिस्से में दर्ज करना अनिवार्य है। मतदान की अपील का जो पर्चा शहर में वितरित किया गया है उस पर ना मुद्रक और ना ही प्रकाशक का नाम है। प्रकाशित पर्चों की संख्या भी दर्ज नहीं की गई है। निवेदक के तौर पर केवल भारत स्वाभिमान मंच लिखा हुआ है। शहर में वितरित हुए पर्चे के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुमार पुरुषोत्तम से संपर्क किया लेकिन चर्चा नहीं हो सकी।

उज्जैन में 400 मतदान केंद्रों पर केवल महिलाएं कराएंगी चुनावी

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन के 400 मतदान केंद्रों पर चुनाव कराने केवल महिला कर्मचारी ही जाएंगी। वे ही पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारियों की भूमिका निभाएंगी। महिला मतदान प्रतिशत बढ़ाने को भी लाख जतन हो रहे हैं। महिलाओं को ही केंद्र में रखकर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। अब तक बूथ स्तर पर महिलाओं की कलश यात्रा निकाली जा चुकी है। सास-बहू सम्मेलन, दीपोत्सव सहित गीत-गायन, मेहंदी आदि प्रतियोगिताएं कराई जा चुकी हैं। आगामी दिनों में महिला सम्मेलन सहित कई ओर भी कार्यक्रम तय कर रखे हैं।

निर्वाचन आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार 2018 के चुनाव में महिलाओं की मतदान में भागीदारी 74.34 प्रतिशत और पुरुषों की 78.81 प्रतिशत थी। इसके पहले 2013 के चुनाव में महिलाओं की मतदान में भागीदारी 70.49 प्रतिशत और पुरुषों की 76.93 प्रतिशत थी। यानी पांच वर्षों में मतदान में महिलाओं की मतदान में भागीदारी 3.86 प्रतिशत और पुरुषों की भागीदारी 1.88 प्रतिशत बढ़ी। महिलाओं की ये बढ़त

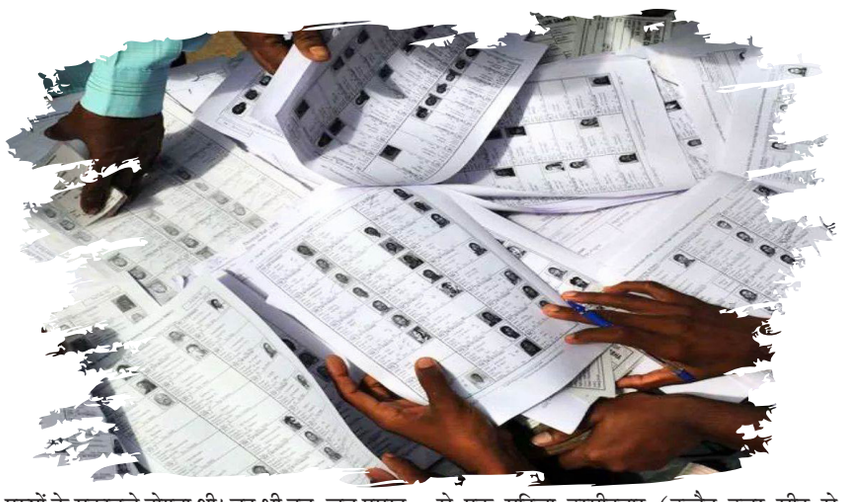

पुरुषों के मुकाबले दोगुना थी। वह भी तब, जब प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस ने महिलाओं की उपेक्षा कर उज्जैन जिले के सातों विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रत्याशी पुरुषों को बनाया था।अब पांच वर्षों में काफी कुछ बदला है। शिक्षा के ग्राफ के साथ राजनीतिक जागरूकता भी बढ़ी है। इस बार जिले से एक महिला उम्मीदवार (उज्जैन उत्तर सीट से माया त्रिवेदी) भी चुनाव मैदान में है। इसी वर्ष नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी पारित हुआ है, जिसके कारण आगामी विधानसभाओं और लोकसभाओं में महिलाओं की भागीदारी कम से कम 33 प्रतिशत होना निश्चित रूप से दिखाई देना निश्चित है।

ऐसे केंद्रों को पिंक बूथ का नाम..पहले ये गिनती के एक-दो ही बनाए गए थे

जिन मतदान केंद्रों पर मतदान कराने की जिम्मेदारी केवल महिलाओं के हाथ होती हैं, उन केंद्रों को राज्य निर्वाचन आयोग ने नाम पिंक पोलिंग बूथ दिया था। पिछले चुनाव में ऐसे बूथ की संख्या प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अधिकतम दो-चार ही हुआ करती थी। इस बार इतनी बड़ी संख्या में पिंक बूथ बनना उज्जैन के लिए प्रेरक और ऐतिहासिक होगा।

यह भी जानिए

मध्य प्रदेश के 2533 प्रत्याशियों में महिलाओं की संख्या 252 है। यानी 9.94 प्रतिशत। ये आंकड़ा 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात कहने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरूद्ध है। प्रदेश में उमरिया एक मात्र ऐसा जिला जहां अधिनियम के तहत प्रत्याशी खड़े किए गए हैं। यहां है 19 प्रत्याशियों में सार्वाधिक 7 महिला प्रत्याशी है। उज्जैन में 52 प्रत्याशियों में महिला प्रत्याशी सिर्फ एक है। शाजापुर और आगर-मालवा में एक भी नहीं है।

यह है लोकतंत्र के महायज्ञ की खूबसूरती

चुनाव में गांव के चौकीदार बन जाते हैं विशेष सुरक्षा अधिकारी

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन लोकतंत्र के महायज्ञ चुनाव में राजनीतिक दल,नेताओं का तो अपना महत्व है, लेकिन प्रशासनिक मशीनरी की अंतिम पायदान के कर्मचारी का अलग ही प्रभाव बन जाता है। अब ग्राम के चौकीदार (कोटवार) को ही देखिए..चुनाव के दौरान के दौरान इन्हे अलग ही दर्जा मिलता है। गांव के चौकीदार विशेष सुरक्षा अधिकारी बन जाते हैं।

भले ही राजस्व महकमे में कोटवार को सबसे अंतिम पंक्ति का माना जाता है, लेकिन कई काम और मुद्दों पर कोटवार की खास भूमिका है। कोटवार उस व्यक्ति को कहा जाता है जो गांव के चौकीदार पद पर होता है। कोटवार को हल्का में तैनात किया जाता है, ताकि वहां की गतिविधियों से प्रशासन को अवगत कराया जा सके। पटवारी, राजस्व निरीक्षक द्वारा सीमांकन या अन्य भूमि विवाद संबंधित मामलों पर कोटवार को साथ लेकर जानकारी जुटाई जाती है।

कोटवारों का संबंध गांव के प्रत्येक व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक रहता है। व्यक्ति के जन्म होते ही कोटवार द्वारा जन्म पंजी में उसका नाम दर्ज किया जाता है, उसी प्रकार मृत्यु होने पर मृत्यु पंजी में उसका नाम दर्ज किया जाता है कोटवार को गांव में होने वाले सभी छोटे- बड़े अपराधों की जानकारी, गांव में आने वाले अजनबी व्यक्तियों की जानकारी, गांव में होने वाले हर गतिविधि की सूचना प्रशासन देता है। हर प्रशासनिक कार्य को संचालित करने में कोटवार महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। एक तरह से कोटवार ग्राम देवता की भांति होते हैं। चुनावों में कोटवार विशेष सुरक्षा अधिकारी कहलाते हैं। विधानसभा-लोकसभा चुनाव के दौरान प्रशासन-पुलिस की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर भारत निर्वाचन आयोग को सौंप दी जाती है।

देशभर की 17 विशेष कंपनी में संभालेगी चुनाव सुरक्षा की कमान, छह उज्जैन पहुंची

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन जिले की सातों सीटों पर विधानसभा चुनाव को शांति एवं सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के लिए देश भर के अलग-अलग प्रदेशों से कुल 17 कंपनी उज्जैन पहुंच रही है। विशेष आर्म्स से लेस यह सुरक्षा कंपनी उज्जैन और जिले सहित सभी मतदान केंद्रों पर तैनात रहेंगी। यह कंपनी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, और प्रदेश के अन्य हिस्सों से उज्जैन चुनाव की सुरक्षा कमान को संभालने के लिए पहुंचेगी।

उज्जैन पुलिस लाइन के आरआई रणजीत राणा ने बताया कि उज्जैन शहर सहित जिले के कुल 1799 पोलिंग बूथ के लिए देश भर से कुल 17 कंपनियां उज्जैन पहुंच रही हैं। जिनमें 6 कंपनियां अभी तक उज्जैन पहुंच चुंकी हैं। 13 नवंबर तक सभी कंपनियां उज्जैन पहुंच जाएंगी। एक सुरक्षा कंपनी में लगभग 90

से 100 के लगभग सुरक्षाकर्मी रहते हैं। उज्जैन पहुंचने पर इन विशेष कंपनियों के सदस्यों का स्वागत किया जाता है। इनके उज्जैन रहने एवं ठहरने की व्यवस्था भी उज्जैन पुलिस प्रशासन द्वारा ही की जा रही है।

एक किनारे से दूसरे पर जाना मुश्किल...

उज्जैन| शिप्रा को शुद्ध रखने का दावा हर कोई करता रहे, लेकिन हकीकत का सामना करने वाला कोई नहीं है। जिम्मेदारों को चुनाव की चिंता है। अन्य काम और व्यवस्थाओं की फिक्र नहीं है। गणेशोत्सव और नवरात्रि पर शिप्रा में बढ़ी संख्या में मूर्तियों का विसर्जन किया था। उससे पहले नदी की बाढ़ के साथ वृक्षों की बड़ी-बड़ी शाखाएं पानी में बहकर आई थी। यह नदी के अलग-अलग हिस्सों में जमा होकर शिप्रा की खूबसूरती पर दाग लगा रही है, वहीं श्रद्धालुओं की परेशानी का कारण बन रही है। रामघाट से दत्त अखाड़ा घाट को जोडऩे वाली रपट पर मूर्तियों के अवशेष और वृक्षों की शाखाएं कई दिनों से जमा है। श्रद्धालुओं का एक किनारे से दूसरे किनारे पर जाना मुश्किल है, लेकिन किसी का इस पर ध्यान नहीं है।

इंटरनेट पर नई तरह की नेता नगरी

'नेताजी' धरातल से ज्यादा सोशल मीडिया पर

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

जिस दौर में हर मतदाता के हाथ में स्मार्टफोन हो, उस दौर में चुनाव का प्रचार भी स्मार्ट तरीके से हो तो कोई आश्चर्य नहीं। इन दिनों ऐसा ही हो भी रहा है। विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा होने के बाद से इंटरनेट मीडिया पर इन प्रत्याशियों के प्रचार की धूम है। यहां तक कि कुछ प्रत्याशी तो ऐसे भी हैं, जो वास्तविक जमीन से ज्यादा इंटरनेट मीडिया की आभासी दुनिया में ताल ठोंकते दिख रहे हैं।

नेता अपने प्रचार के लिए योजनाओं और मुद्दों को गानों के माध्यम से जनता के बीच लेकर आ रहे हैं। अपनी सुबह से लेकर रात तक की हर मिनट की गतिविधियां इस पर साझा की जा रही है। इतना ही नहीं सालों पहले कोई अच्छा काम किया हो, उसके वीडियो फोटो भी इंटरनेट मीडिया पर दिखाई देने लगे हैं।

इस बार विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए प्रत्येक प्रत्याशी ने अलग से टीम बना रखी है। कुछ ने पीआर एजेंसी की सेवाएं भी ली हैं। ये एजेंसी इनके लिए प्रतिदिन अच्छे संदेश के साथ फोटो-वीडियो पोस्ट कर रही है। इस बार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) की मदद से भी कई प्रकार के वीडियो संदेश देखने को मिल रहे हैं। इस तरह के वीडियो प्रत्याशियों के ऑफिशियल अकाउंट पर तो नहीं, लेकिन फैंस क्लब या फैंस पेज पर जरूर नजर आते हैं।

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर प्रचार की मंशा रखने वाले उम्मीदवार के लिए बड़े शहरों की पीआर एजेंसी की टीम काम कर रही है। टीम के लोग फोटो खींचने के साथ ही रील्स के लिए वीडियो, फोटो कैप्शन और पोस्ट करने तक का काम करते हैं। टीम द्वारा एक ही दिन में करीब दर्जन तक पोस्ट की जा सकती हैं।

गाने भी ऐसे लिखे और रिकॉर्ड किए जा रहे हैं, जिन्हें सुनकर जनता प्रभावित हो। रील्स और पोस्ट में फिल्मी गानों, देशभक्ति के गीतों, कव्वाली और लोकगीतों तक का प्रयोग किया जा रहा है। यह टीमें प्रत्याशी की दिनभर की तमाम गतिविधियों को इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स अकाउंट पर साझा करती हैं। कुछ नेता तो ऐसे हैं, जिनका प्रचार जमीन से ज्यादा इंटरनेट मीडिया पर ही नजर आ रहा है। इंटरनेट मीडिया पर प्रचार आसान और कम परिश्रम वाला है।

पुलिस चुनावी कार्य में व्यस्त

बाजार गुलजार, पार्किंग-यातायात व्यवस्था ध्वस्त, लग रहा जाम

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

पर्व के मद्देनजर बाजार गुलजार हो रहे हैं। शहर के पुराने बाजार क्षेत्र की तंग सड़कों और बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमडऩे लगी है। बावजूद इसके अभी तक पुलिस प्रशासन द्वारा बाजार क्षेत्रों की यातायात व पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

हाल यह है कि बाजार में जहां बेरोक-टोक कार, ऑटो की आवाजाही बनी हुई है वहीं सड़क तक व्यापारियों ने दुकानें बढ़ा ली है। पार्किंग व्यवस्था ठीक नहीं होने से बाजार पहुंचने वाले सड़क के बीच या दोनों किनारों पर दोपहिया वाहन खड़े कर रहे हैं। इसके चलते जाम लग रहा है।

सड़कों पर वाहन चलाना तो दूर, पैदल चलना भी दूभर

बाजार क्षेत्र में दुकानदारों ने आधी सड़क तक सामान रखकर कब्जा कर लिया है, रही-सही कसर फुटकर विक्रेता पूरी कर रहे हैं। दुकानों के बाहर वाहन खड़े किए जा रहे हैं, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमराने लगी है। हालात यह है कि बाजार में वाहन ले जाना तो दूर पैदल चलना तक दूभर हो रहा है।

वहीं क्षेत्र के व्यापारी पटरी से उतर रही यातायात व्यवस्था का ठीकरा यातायात पुलिस पर फोड़ रहे हैं।

उनका कहना है कि पुलिस प्रशासन द्वारा अभी तक त्योहार के मद्देनजर बाजार क्षेत्र को लेकर पार्किंग व यातायात व्यवस्था सुधारने कार्य योजना नहीं बनाई गई है। सड़कों पर लगने वाले जाम से ग्राहक भी बाजार में घुसने से बच रहे हैं इससे उनका कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।

मुख्य मार्ग भी नहीं अछूते

शहर के मुख्य मार्गों की बात करें तो सड़क पर वाहन खड़े किए जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में पार्किंग की जगह नहीं है हकीकत यह है कि बेसमेंट की बनाई पार्किंग में दुकानें बना ली गई है। इस तरफ न तो नगर निगम ध्यान दें रहा है न यातायात पुलिस।

चौराहे, तिराहे पर तैनात पुलिसकर्मी भी सड़क पर की गई पार्किंग को देखकर अनदेखा कर रहे रहे हैं। पुलिस का कहना है कि प्लान बनकर तैयार है जल्द ही इसे लागू किया जाएगा। हालांकि ये प्लान दीपावली के समय धनतेरस के एक दिन पहले लागू होगा।

पेंट की जेब में रखे थे पटाखे, आग लगने से बुरी तरह झुलसे बालक की मौत

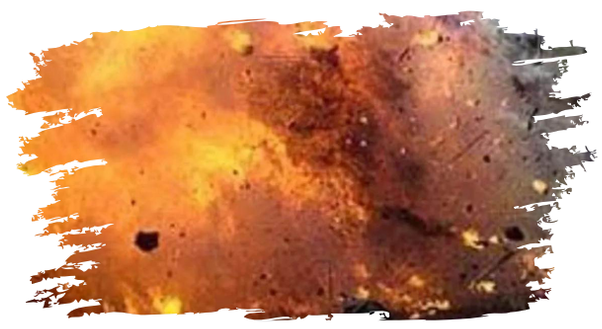

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

बड़नगर के ग्राम पीर झलार में रहने वाले 12 वर्षीय बालक की झुलसने से मौत हो गई। बालक चार दिन पूर्व पटाखे जला रहा था। उसने अपनी पेंट की जेब में पटाखे रख रखे थे।

पेंट में आग लगी, जेब में ही फट गए पटाखे : जानकारी के अनुसार चिंगारी लगने से पेंट में आग लग गई और पटाखे जेब में ही फट गए। जिससे वह बुरी तरह झुलस गया था।

बुरी तरह झुलस गया था बालक : पुलिस ने बताया कि कृष्णा पुत्र प्रेमसिंह उम्र 12 वर्ष निवासी ग्राम पीर झलार चार दिन पूर्व पटाखे जला रहा था। उसने अपनी पेंट की जेब में भी पटाखे रख रखे थे।

जिला अस्पताल में भर्ती करवाया था : पटाखे फोड़ने के दौरान पेंट की जेब में चिंगारी लग गई थी। जिससे पेंट जल गई और पटाखे जेब में ही फट गए थे। इससे बालक बुरी तरह झुलस गया था। उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां इलाज के दौरान बालक की मौत हो गई।

चौंकिये नहीं... यह विकास के पहले, विनाश के दृश्य हैं...

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

चौंकिये नहीं... यह तस्वीरें किसी भूकंप, बाढग्रस्त या प्राकृतिक आपदा से प्रभावित क्षेत्र की नहीं है। यह विकास के लिए की गई तोडफ़ोड़ और निर्माण के वादों की हकीकत है। गौतम मार्ग (केडीगेट) के चौड़ीकरण के लिए पहले मकानों को तोड़ा गया। अब काम में झमेला हो गया तो क्षेत्र की तस्वीर मानवीय त्रासदी को बयां कर रही है। दीपावली का त्योहार करीब है और विकास के वादों की यह हालत है।

अधूरे कामों के बीच लोगों के टूटे हुए घर भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। सड़कों का गंदा पानी और उसमें भी मलबा, घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। लोगों की नाराजगी है कि आखिर इस हाल में उन्हें कब तक रहना होगा?

त्योहारों पर यात्रियों को सुविधा

दो जोड़ी ट्रेनें स्पेशल किराये के साथ चलेंगी

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

त्योहारों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए रेलवे ने दो जोड़ी सुपरफास्ट ट्रेनें स्पेशल किराये के साथ चलाने का निर्णय लिया है। इससे यात्री आरामदायक सफर कर सकेंगे। स्पेशल ट्रेन के लिए सभी यात्री आरक्षण केंद्रों व आइआरसीटीसी वेबसाइट पर टिकट बुकिंग की सुविधा आरंभ हो गई।

मुंबई सेंट्रल से काठगोदाम के मध्य 09075/09076 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के चार फेरों का संचालन किया जाएगा।

09075 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम सुपरफास्ट स्पेशल आठ से 29 नवंबर तक मुंबई सेंट्रल से प्रति बुधवार सुबह 11 बजे चलकर रतलाम जंक्शन (रात 8.15/8.25) होते हुए प्रति गुरुवार दोपहर 2.30 बजे काठगोदाम पहुंचेगी।

इसी प्रकार वापसी में 09076 काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल नौ से 30 नवंबर तक काठगोदाम से प्रति गुरुवार शाम 5.30 बजे चलकर रतलाम जंक्शन (10.30/10.40) होते हुए प्रति शुक्रवार रात 8.55 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड़, सूरत, वड़ोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा, हाथरस सिटी, कासगंज, बदायूं, बरेली, बरेली सिटी, इज्जतनगर, बहेड़ी, किच्छा, लालकुआं, हल्द्वानी स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। इस ट्रेन में फस्र्ट एसी कम सेकंड एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर व सामान्य श्रेणी कोच रहेंगे। यात्रियों की सुविधा के चलाई जा रही इस ट्रेन में कुल 16 कोच रहेंगे।

सूरत-सूबेदारगंज-सूरत स्पेशल ट्रेन

09117 सूरत-सूबेदारगंज स्पेशल 03 से 24 नवंबर तक सूरत से प्रति शुक्रवार सुबह ६ बजे चलकर दाहोद (10.20/10.22), रतलाम (1.05/1.15), उज्जैन (3.15/3.25) व मक्सी (4.40/4.42) होते हुए प्रति शनिवार सुबह 8.40 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी।
इसी प्रकार वापसी में 09118 सूबेदारगंज-सूरत स्पेशल 4 से 25 नवंबर तक सूबेदारगंज से प्रति शनिवार शाम 7.25 बजे चलकर मक्सी (11.40/11.42), उज्जैन (12.30/12.40) व रतलाम (2.30/2.40) व दाहोद (4.01/4.03) होते हुए रात आठ बजे सूरत पहुंचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में भरुच, वड़ोदरा, दाहोद, रतलाम, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, पचोर रोड, ब्यावरा राजगढ़, रुठियाई, गुना, बदरवास, शिवपुरी, ग्वालियर, मालनपुर, सोनी, भिंड, इटावा, गोविंदपुरी व फतेहपुर स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

सड़कों का कायाकल्प...

न गुणवत्ता का पता ना ही मानीटरिंग की फिक्र...

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

नेता चुनाव लडऩे, अधिकारी चुनाव लड़वाने और ठेकदार अपनी मनमर्जी करने में व्यस्त है। शहर में सड़कों का कायाकल्प चल रहा है। इसमें न गुणवत्ता का पता और ना ही किसी जिम्मेदार को इसकी मानीटरिंग की फिक्र है। हाल में महामृत्युंजय द्वार से नानाखेड़ा होते हुए तीन बत्ती चौराहे तक डामरीकरण किया गया है।

ठेकेदारों और इंजीनियरों की मिलीभगत ने कायाकल्प योजना को ही पलीता लगा दिया। सवाल ये है कि निर्माण कार्य घटिया क्यों हुआ। यह स्थिति निगरानी में कमी का नतीजा है या मनमानी का। शासन के कायाकल्प अभियान अंतर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा उज्जैन शहर में बनाई सड़कों में डामर और गुणवत्ता दोनों की कमी दिखाई दे रही है। इसका अनुमान मटेरियल की परत को देखकर लगाया जा सकता है। इस पर सही तरीके से रोलिंग भी नहीं की गई। कई जगह से पहले की सतह ही दिखाई दे रही है। स्थान-स्थान पर बिखरा हुआ मटेरियल देखा जा सकता है। सड़क की स्थिति पर हर किसी की

प्रतिक्रिया है कि यह कितने दिन सुरक्षित रहने वाली है।

सड़कों के शासन द्वारा नगर निगम को कायाकल्प अभियान में करोड़ों रु. दिए गए है। निगम ने यह काम लोक निर्माण विभाग को सौंप दिया था। इस पर राशि देने और काम करने वाले दोनों विभागों के जिम्मेदार ध्यान नही दें रहे है। सड़क देखकर लगता है कि यह सड़क चार माह भी नहीं टिकने वाली।

बता दें कि कुछ समय पहले कायाकल्प अभियान के तहत माधव क्लब रोड पर तीन बत्ती चौराहा से रेलवे स्टेशन तक डामरीकरण किया गया था और कुछ ही दिनों में इस डामरीकरण की परत उखडऩे लगी थी। गिट्टी भी इधर-उधर फैलने के बाद जनप्रतिनिधियों ने काम की गुणवत्ता को आड़े हाथों लिया था। इस पर निगम आयुक्त रोशन कुमार सिंह ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से चर्चा भी की थी। लेकिन इसका कोई असर फिलहाल तो डामरीकरण पर नजर नहीं आ रहा है।

रेल्वे ट्रैक पर मिला सेवानिवृत्त प्रधान आरक्षक का शव

उज्जैन। पंवासा रेलवे ट्रैक पर मंगलवार दोपहर सेवानिवृत्त प्रधान आरक्षक श्रवण कुमार दोहरे का शव मिला। पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर फ टो वायरल करने पर परिवार के लोगों ने देखा और शिनाख्त की। ट्रेन से टकराने की वजह से मौत होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के

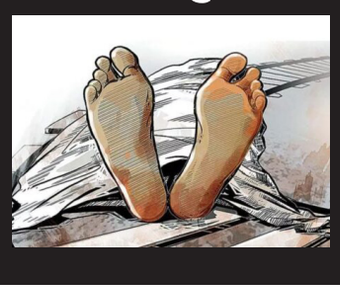

बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने बताया श्रवण कुमार पिता हरदयाल सिंह दोहरे अचेत अवस्था में रेलवे ट्रैक पर मिले थे। जिला अस्पताल पहुंचाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था। बेटों ने शव की शिनाख्त कर ली है। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। मृतक श्रवण कुमार के चार बेटे हैं जिनमें सबसे छोटे बेटे प्रयाग दोहरे एसएएफ जवान हैं।

मोक्षदायिनी शिप्रा और रामघाट बदहाल...

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

मोक्षदायिनी शिप्रा को कचरे और गंदगी से मोक्ष नहीं मिल पा रहा है। पहले गणेशोत्सव और फिर नवरात्रि समाप्त होने के बाद पूजन-सामग्री और मूर्तियां नदी में विसर्जित की गई।

अब इनके अवशेष के साथ-साथ श्रद्धालुओं द्वारा त्यागे गए कपड़े और अन्य सामग्री से रामघाट पटा हुआ है। जिम्मेदारों का इस पर ध्यान ही नहीं है और नदी से लेकर घाट तक कचरा और गंदगी फैली हुई है।

वस्त्र बदलने के शेड भी क्षतिग्रस्त होने से महिलाओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुल मिलाकर नदी को अव्यवस्थाओं से मोक्ष दिलाने की दरकार है, लेकिन इस पर किसी का ध्यान नहीं है।

जांच के लिए नहीं उतरी मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब

यह कैसा शुद्ध के लिए युद्ध.... खाद्य सुरक्षा विभाग कर रहा है सैंपलिंग

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

शहर में शुद्ध खानपान की स्थिति को जांचने के लिए लाई गई चलित मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब (एमएफटीएल) का फायदा इस बार त्योहारी सीजन में नहीं मिल रहा है। इस टेस्टिंग लैब को करीब तीन वर्ष पूर्व उज्जैन लाया गया था। इस लैब में पानी समेत 102 तरह के खाद्य पदार्थों या पेय पदार्थों में मिलावट की जरा भी आशंका होने पर यह लैब तुरंत वहां पहुंचकर मात्र 10 रुपए में जांच कर रिजल्ट देती है।

एमएफटीएल शुरुआती समय में तो यह लैब खूब दौड़ी, लेकिन पिछले कुछ समय से इसकी रफ्तार पर ब्रेक लग गया था। दरअसल लैब का वाहन खराब हो गया है। सुधार के लिए बजट नहीं आया। दीपावली के मद्देनजर खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन विभाग जांच कर नमूने लेने में जुटा हुआ है। सैंपल लेकर विधिवत जांच के लिए भोपाल स्थित खाद्य प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं।

नापतौल विभाग भी ऐनवक्त पर जागा....

खाद्य सुरक्षा विभाग की तरह नापतौल विभाग की जिम्मेदारी है कि वह उपभोक्ताओं के हितों का संरक्षण करें। लेकिन यह विभाग है कि यदा-कदा ही जागता है। अब दीपावली पर्व को ही लीजिए। विभाग ने दिवाली के एक दिन पहले जांच अभियान चलाया।

मिठाई, नमकीन, किराना, सराफा और हार्डवेयर के विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की। नापतौल विभाग ने नापतौल के उपकरणों का सत्यापन और मुद्रांकन नहीं पाए जाने, पैक वस्तुओं पर आवश्यक जानकारी और घोषणा दर्ज नहीं करने, मिठाई को डिब्बे सहित तौलने के अलावा नियम अनुसार आवश्यक दस्तावेज प्रदर्शित नहीं करने पर १० दुकानों के प्रकरण बनाए हैं। विभाग ने विधिक माप विज्ञान अधिनियम-2009 और 2011 का उल्लंघन होने पर १० प्रकरण बनाए हैं।

10 रुपए में खाद्य पदार्थों की जांच का दावा था

मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने दावा किया था कि मोबाइल लैब कॉलोनियों,तहसीलों में पहुंचेगी। इसमें अनाउंसमेंट करके लोगों को बताया जाएगा। कि मात्र 10 रुपए देकर इसमें मसाले, दूध, किराना सामग्री जैसे तेल, बेसन, दाल सहित घी, मिठाई, मावा आदि की जांचें हो सकेंगी। मोबाइल वैन अलग-अलग इलाकों में घूमेगी। इसमें केमिस्ट के माध्यम से खाद्य सामग्री के टेस्ट किए जाएंगे। इसकी रिपोर्ट लोगों को व्हॉट्स एप पर पीडीएफ फॉर्मेट में मिलेगी। हालांकि इसमें प्राइमरी रिपोर्ट मिलेगी, लेकिन लोग ये पता लगा सकेंगे कि उनके द्वारा खरीदी गई सामग्री शुद्ध है अथवा नहीं।

टायर फटने से बंद है

मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब 2020 में मिली थी। उज्जैन पहुंचने के बाद इस लैब को पूरे शहर समेत आसपास के क्षेत्रों में भी पहुंचाया गया। लैब सालभर लगातार अलग-अलग जगहों पर जाकर शुद्ध खानपान का परीक्षण करती रही,लेकिन यह त्योहार के सीजन में सड़कों पर नजर नहीं आ रही है। सूत्रों के अनुसार मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के टायर फट गए है। नतीजतन संचालन नहीं होने की वजह से तकनीकी खराबी भी आ गई है। टायर बदलने के लिए राशि आवंटन का इंतजार है।

नबंर भी सेवा में नहीं

मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कहा था,आम उपभोक्ताओं को जांच के लिए मोबाइल नम्बर 94795-34737 पर संपर्क कर सकते हैं। कई मामलों में हाथों हाथ रिपोर्ट मिल जाएगी। यह मोबाइल नंबर भी मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की तरह 'सेवा में नहीं है। वैन किन्हीं कारणों से नहीं चल रही है। इस कारण उसका उपयोग नहीं हो रहा है। विभाग लगातार अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने लेने में जुटा हुआ है।-बसंतदत्त शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी

बदलने वाली है भगवान महाकाल की दिनचर्या

15 दिन बाद गर्म जल से स्नान करेंगे

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन ऋतु के अनुसार भगवान महाकाल की दिनचर्या में बदलाव होता है। आरती के समय में परिवर्तन तो होगा,15 दिन बाद यानि 12 नवंबर से भगवान का स्नान गर्म जल से होगा।

कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी से भगवान महाकालेश्वर को गर्म जल से स्नान कराया जाता है। 12 नवंबर कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को श्री महाकालेश्वर भगवान को अभ्यंग स्नान करवाया जावेगा तथा इसी दिन से श्री महाकालेश्वर भगवान जी का गर्म जल से स्नान प्रारंभ होगा, जो फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तक चलेगा। 12 नवंबर 2023 रविवार को ही महाकालेश्वर भगवान जी की प्रातः 07.30 बजे होने वाली आरती में महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से अन्नकूट का भोग लगाया जाएगा। शाम को दीपोत्सव पर्व मनाया जाएगा ।

भगवान आरती के समय में परिवर्तन : महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल आरती का समय परम्परानुसार परिवर्तित होगा । 29 अक्टूबर रविवार कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा से फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तक महाकालेश्वर भगवान की 3 आरतियों में परिवर्तन होगा। इसमें प्रातः होने वाली द्वयोदक आरती 07.30 से 08.15 तक, भोग आरती प्रातः 10.30 से 11.15 तक व संध्या आरती सायं 06.30 से 07.15 बजे तक होगी। भस्मआरती प्रातः 04 से 06 बजे तक, सायंकालीन पूजन सायं 05 से 05.45 तक एवं शयन आरती रात्रि 10.30 से 11 बजे तक अपने निर्धारित समय पर ही होगी।

धनतेरस पर्व 10 नवंबर को : महाकालेश्वर मंदिर में 10 नवंबर शुक्रवार के दिन धनतेरस पर्व मनाया जाएगा। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित चिकित्सालय में भगवान धनवंतरी का पूजन होगा। इसके अतिरिक्त मंदिर के पुरोहित समिति द्वारा भगवान महाकालेश्वर का अभिषेक पूजन किया जाएगा।

मासूम बलात्कार पीड़िता और उसके परिवार को अब तक नहीं मिली आर्थिक मदद

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने Ujjain Rape Case को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि रेप पीड़िता मासूम और उसके परिवार को अब तक कोई सरकारी मदद नहीं मिली है। इंसानियत को शर्मसार करने वाले Ujjain Rape Case में मदद को लेकर भी मानवीय संवेदनाएं शून्य हो गई हैं।

स्वाति ने वीडियो ट्विटर पर पोस्ट करते हुए ट्वीट किया कि आपको याद होगा कैसे उज्जैन में नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म हुआ था जिसके बाद वो 8 किलोमीटर तक लहुलुहान- निर्वस्त्र हालत में सड़क पर मदद मांगती रही। खबरों के अनुसार उस लड़की को आज तक सरकार से कोई मदद नहीं मिली। किसी नेता ने 1500 रुपए देकर अहसान किया है। मैंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिख बेटी को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

उज्जैन में हैवानियत का शिकार हुई सतना के जैतवारा की बलात्कार पीड़िता की मदद भी चुनावी फेर में उलझ गई है। हालांकि उज्जैन पुलिस, महाकाल टीआई, सतना प्रशासन के साथ समाजसेवियों ने पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद दी है, लेकिन बड़े नेताओं की घोषणाओं की रकम परिवार तक नहीं पहुंची है। पीड़िता की मदद के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 5 लाख और पूर्व मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस की तरफ से 5 लाख की आर्थिक सहायता की घोषणा की थी। इन घोषणाओं की राशि पीड़ित परिवार के खाते में नहीं पहुंची है। पीड़िता के बाबा का कहना है, अब तक सरकारी मदद नहीं मिली है। भाजपा से जुड़े नेता ने 1500 रुपए दिए थे। सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा का कहना है, पीड़िता को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद रेडक्रॉस से की थी।

विदेशों में भी है अलग पहचान

मंदिरों में ही नहीं संग्रहालय में भी विराजित है माता की प्रतिमाएं

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

धार्मिक नगरी उज्जैन में वैसे तो कई अतिप्राचीन माता के मंदिर है, लेकिन आज हम आपको ऐसे संग्रहालय की जानकारी देने जा रहे हैं, जहां विराजित माता प्रतिमाएं अतिप्राचीन तो है ही, लेकिन यह प्रतिमाएं विदेशों तक पहुंचकर भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुकी है। उज्जैन में महाकाल लोक के समीप स्थित त्रिवेणी संग्रहालय मूलरूप से 2016 सिहस्थ में मध्यप्रदेश शासन संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के माध्यम से स्थापित किया गया था। खास बात यह है कि इस संग्रहालय मे ऐतिहासिक और पौराणिक मूर्तियों का अनूठा संग्रह है, जिसका सनातन से गहरा संबंध है। देश विदेश के कोने-कोने से पर्यटक यहां आते हैं।

पौराणिक और ऐतिहासिक प्रतिमाओं का है संग्रह : त्रिवेणी संग्रहालय के योगेश पाल बताते हैं कि इस संग्रहालय में पौराणिक और ऐतिहासिक प्रतिमाओं का संग्रह है, जिसका सनातन से गहरा संबंध है। देश-विदेश के पर्यटक इस संग्रहालय को देखने प्रतिदिन उज्जैन आते हैं। योगेश ने बताया कि संग्रहालय की स्थापना के दौरान यहां प्रदेश के 10 संग्रहालयों से प्राचीन और सर्वश्रेष्ठ प्रतिमाओं को लाकर रखा गया है। इसके साथ ही पुरातत्व दीर्घा में प्रदर्शित लगभग 1800 वर्ष प्राचीन देवी सरस्वती की प्रतिमा अपने आप में अनुपम है।

प्रतिमा में देवी सरस्वती को वीणा का वादन करते हुए दिखाया गया है। इसी तरह संग्रहालय की दीर्घा में आठवीं शताब्दी ईस्वीं की विश्व प्रसिद्ध महिषासुरमर्दिनी की प्रतिमा भी है। यहां पर सप्त मातृकाएं भी है जो विभिन्न देवों की शक्ति है, जिसमें ब्राह्मणी, वैष्णवी, माहेश्वरी, कौमारी, आदि छठी सातवीं शताब्दी की प्रतिमाएं है। इस संग्रहालय में शैव, शाक्त एवं वैष्णव संप्रदाय की अति प्राचीन पाषाण निर्मित प्रतिमाएं प्रदर्शित है। महिषासुर मर्दिनी की प्रतिमा वर्ष 2013 में बेल्जियम के ब्रुसेल्स में आयोजित प्रदर्शनी में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए भी प्रदर्शित हो चुकी है।

महाकाल मंदिर परिसर की खुदाई के दौरान निकले अवशेषों को मलवे में भरकर कॉलोनाइजर को बेचा

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल लोक के निर्माण कार्य के दौरान खुदाई की गई थी. इसी दौरान मंदिर परिसर में एक प्राचीन मंदिर के कई अवशेष मिले थे. इसके बाद बाद पुरातत्व विभाग ने उन्हें सुरक्षित रखने की बात कही थी. वहीं, कुछ महीने पहले ही महाकाल प्रबंधन समिति की ओर से एक कॉलोनाइजर को मंदिर के अवशेषों को मलवा के रूप में दे दिया गया. एक कॉलोनी में खुदाई के दौरान एक खंडित नंदी निकलने पर काम रुक गया था. चेक करने पर पुरातत्व विभाग विभाग ने उस नंदी को 10वीं और 11वीं शताब्दी का बताया था.

Mahakal Temple excavation

जांच रिपोर्ट आने के बाद खुलासा : कॉलोनाइजर को महाकाल मंदिर प्रबंधन समिति ने यह मलवा दिया था. इसलिए अब जांच रिपोर्ट आने के बाद महाकाल मंदिर समिति पर सवाल खड़े हो रहे हैं. महाकाल मंदिर में विकास प्राधिकरण की ओर से कार्य देखने वाले इंजीनियर शैलेंद्र जैन ने कहा कि महाकाल मंदिर में तुड़ाई और मलवा फेंकने का काम संबंधित ठेके लेने वाली गार्डन पैराडाइज दिल्ली की कंपनी को दिया गया है. बता दें कि उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर के विस्तारीकरण कार्य के फेस टू की जगह पर खुदाई के दौरान कुछ मूर्तियां मिली थीं.

कॉलोनी में खुदाई के दौरान खुला मामला : कॉलोनी में खुदाई के दौरान कुछ खंडित मूर्तियां निकली तो जांच हुई. इसमें पता चला कि सारा मलवा महाकाल मंदिर से लाया गया था. मलबे के लगभग 4 फीट के जमाव के बाद नीचे की ओर जाने पर प्राकृतिक मिट्टी दिखाई दे रही है. खोदे गये स्थान के निरीक्षण करने पर यह पुरासम्पदा मलबे के साथ आना संभावित है. ये अवशेष भवन निर्माण के दौरान किए गए गड्ढों के ऊपरी भाग में लगभग 4 फीट की गहराई से प्राप्त हुई हैं.

महाकाल लोक की 200 मूर्तियों को चित्रों में उकेरकर बनाएंगे वर्ल्ड रिकॉर्ड

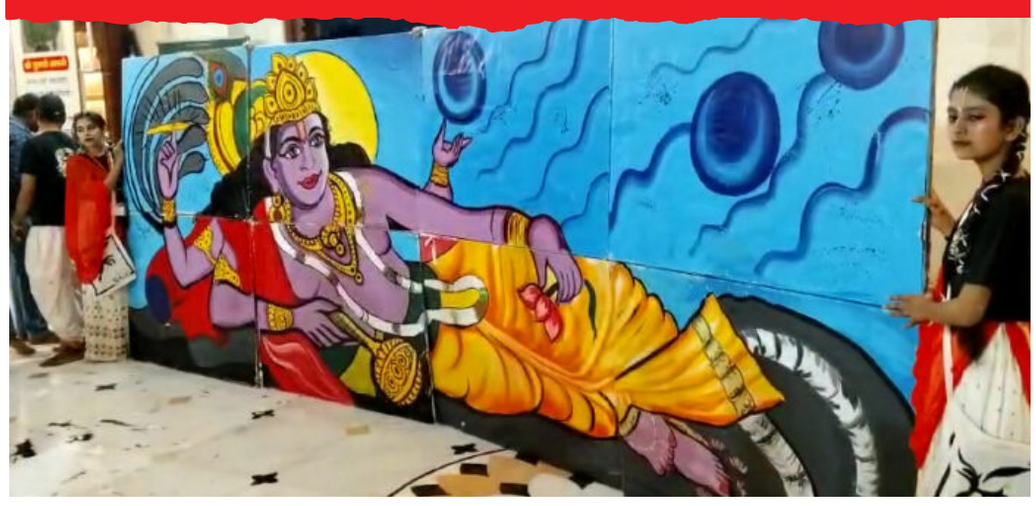

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

महाकाल लोक में बनी 200 मूर्तियों के चित्र बनाकर फागुनी ललित कला केंद्र के 15 विद्यार्थी वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं जिसकी शुरूआत इस्कॉन मंदिर में लाईव पेंटिंग परफार्मेंस के माध्यम से की। यहां महाकाल लोक में मुख्य द्वार में बनी गणपतिजी की प्रतिमा का सर्वप्रथम चित्र बनाया इसके बाद भगवान विष्णु के दशावतार को चित्रों के माध्यम से उकेरा।

एकादशी के अवसर पर फागुनी ललित कला केंद्र के 15 होनहार विद्यार्थियों ने इस्कॉन मंदिर में लाईव पेंटिंग परफार्मेंस के माध्यम से भगवान विष्णु के दशावतार को जीवंत कर दिया। यहां इन विद्यार्थियों ने भगवान विष्णु द्वारा धरती पर अवतार लेने वाले श्रीराम, कृष्ण, वामन सहित सभी अवतारों को चित्रकला के माध्यम से उकेरा।

इस्कॉन में में भगवान विष्णु के दशावतार बनाकर फागुनी ललित कला केंद्र के 15 विद्यार्थियों ने की शुरूआत

विद्यार्थियों में ऋचा डोडिया, अंशु वाडिया, भावार्थ चौधरी, आर्या जाट, राजू पुष्पद, गीता आनंद, कनक अलवानी, आर्यन जगदाले, मुकुल आर्य, प्रनेन्द्र राठौर, हर्षल पचोरी, हर्षिका धाकड़, शीतल मेवाड़ा ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही राधा कृष्ण को भव्य स्वरूप में चित्र बनाए। आगे फागुनी ललित कला केंद्र के विद्यार्थी वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं। महाकाल लोक की 200 मूर्तियों के अनेकों रंगों में चित्र बनाएंगे। फाल्गुनी अग्रवाल ने बताया कि अनेक रंगों से 200 मूर्तियों को उकर जाएगा।

कब्र खोदने वाले ने अपने पिता के नाम पर कर लिया कब्रिस्तान

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

जूना सोमवारिया रिंग रोड पर जमात हम्मालवाडी (कुरश्यान) के वक्फ कब्रिस्तान को कब्र खोदने वाले ने अपने पिता के नाम पर कर लिया। जिसके विरोध में पंचायत कुरश्यान का एक प्रतिनिधि मंडल नगर निगम कमिश्नर से मिलेंगे। वहीं, जन्म मृत्यु विभाग में भी जाकर शिकायत दर्ज कराएंगे। वक्फ कब्रिस्तान हम्मालवाड़ी इंतिजामिया कमेटी ने बताया कि यह कब्रस्तान म.प्र. व बोर्ड में रजिस्टर्ड कब्रिस्तान है, जिसका सर्वे नं. 739/2 और वक्फ रजिस्टर्ड क्र. 1003 है। कलेक्टर, पटवारी व सरकारी रिकार्ड में चढ़ा हुआ कब्रिस्तान है। इस कब्रिस्तान में कब्र खोदने के लिए जमाअत कुरेश्यान के पंचों व बुजुर्गों ने गुलजार शाह फकीर को रख लिया था। उसके इंतकाल के बाद इसका लड़का जाकिर शाह कब्र खोदता आ रहा है। इसने खामोशी से अपने व अपने वालिद के नाम से जन्म-मृत्यु विभाग के रिकार्ड में बाबुओं से साठगांठ कर वक्फ कब्रिस्तान हमालवाड़ी की जगह कब्रिस्तान का नाम गुलजार शाह करवाकर चढ़ा लिया है।

समाज के लोगों को पता चला तो उज्जैन नगर पालिका विभाग को जानकारी दी। समाज की मांग है कि नगर निगम जन्म-मृत्यु ऑफिस से कब्रिस्तान से कब्र खोदने वाले गुलजार जाकिर शाह का नाम खारिज करके कब्रिस्तान हम्मालवाडी किया जाए और जिन लोगों ने गलत कार्य किया है उनके खिलाफ धोखाधड़ी और 420 में कार्रवाई की जाए।

अयोध्या से उज्जैन पहुंचा रामलला का कलश

पीले चावल देकर बाबा को दिया राम मंदिर के उद्घाटन का न्यौता

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

शिला की जगह लगा दे प्राण, बिठा दे वहां राम भगवान। सजग हो रघुवर की संतान, ठाट से कर मंदिर निर्माण ... जी हां आखिर वह दिन जल्द आने हो वाला है, जब 22 जनवरी 2024 को रामलला के मंदिर का उद्घाटन होगा। इस दिव्य आयोजन में शामिल होने के लिए सनातनी भक्तों को अयोध्या आने का बुलावा पीले चावल बांटकर दिया जा रहा है। इसके लिए अयोध्या से कलश बाबा महाकाल की नगरी पहुंचा।

विश्वहिंदू परिषद के जिलामंत्री अंकित चौबे ने बताया कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के दिव्य मंदिर में प्रभु श्री रामलला विराजमान होंगे। उसी निमित्त अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के आमंत्रण के लिए पूजित अक्षत कलश उज्जैन आया। जिन्हें 45 प्रांतों के प्रतिनिधियों को प्रदान किया गया है। इसमें मालवा प्रांत का अक्षत कलश लेकर मालवा प्रान्त मंत्री विनोद शर्मा एवं विभाग धर्माचार्य प्रमुख मुकेश खण्डेलवाल उज्जैन पहुंचे। अयोध्या से पधारे पूजित अक्षत कलश को उज्जैन रेलवे स्टेशन से यात्रा के रूप में लेकर सभी कार्यकर्ता महाकाल मंदिर पहुंचे, वहां अक्षत कलश भगवान महाकाल के समक्ष रखा गया तथा आमंत्रण के अक्षत भगवान महाकाल को अर्पित किया गया। इस अवसर पर महाकाल मंदिर के महंत विनित गिरी महाराज ने कहा कि हम सभी इस क्षण के साक्षी बन रहे हैं यह हम सबके लिए गौरव का समय है कि अयोध्या में श्रीराम लाल हमारे सामने मन्दिर में विराजित हो रहे हैं, महाकाल मंदिर के बाद कलश लेकर सभी विहिप कार्यालय उज्जैन पहुंचे तथा अक्षत कलश कार्यालय स्थित मंदिर में रखा गया।

ग्राम से बस्ती तक पहुंचेगा दिव्य महोत्सव में आने का आमंत्रण

आगामी योजना मे 1 से 15 जनवरी 2024 तक, पूजित अक्षत कलश के पीले चावल, आमंत्रण पत्र एवं प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर का चित्र, जन-जन तक पहुंचाकर स्नेह आमंत्रण देकर उन्हें अयोध्या पहुंचकर भव्य महोत्सव मनाने का सहृदय आग्रह किया जाएगा। इस अभियान में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रत्येक ग्राम, बस्ती तक पहुंच कर, प्रत्येक सनातनी को पीले चावल देकर अयोध्या में श्रीरामलला के दिव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के समय दिव्य महोत्सव में आने का आमंत्रण देंगे।

महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में कमी

श्राद्ध पक्ष के बाद से कम हुआ क्राउड इसके पहले 2.5 से 3 लाख लोग रोज पहुंच रहे थे, दीपावली के बाद वापस उमड़ेगी भीड़

महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में कमी, 34 दिन में 41 लाख 34 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन....

श्राद्ध पक्ष के पहले इतने ही दिनों में 1 करोड़ 5 लाख ने किए थे दर्शन

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकालेश्वर मंदिर में श्राद्ध पक्ष के बाद से दर्शनार्थियों की संख्या में गिरावट आई है। पिछले एक महीने में प्रतिदिन एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं जबकि श्राद्ध पक्ष के पहले प्रतिदिन 2.5 से 3 लाख श्रद्धालु पहुंच रहे थे। दर्शनार्थियों की भीड़ में कमी आने का कारण चुनावी माहौल में सरकारी छुट्टियां नहीं होना और दीपावली की तैयारियों की व्यस्तता है। हालांकि इन सबके बावजूद पिछले 34 दिनों में 41 लाख 34 हजार 627 श्रद्धालुओं ने महाकाल दर्शन किए हैं। इसके पहले महाकाल मंदिर समिति ने श्रावण भादौ मास में दर्शनार्थियों की संख्या के आंकडे जारी किए थे जिसमें 34 दिन में 1 करोड़ 5 लाख लोगों ने दर्शन किए थे।

महाशिवरात्रि पर स्मार्टसिटी द्वारा महाकाल लोक एवं मंदिर में हेड काउंटिंग सिस्टम लगाया गया है। इसके माध्यम से मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचने वाले एक-एक व्यक्ति की गणना की जा रही है। श्रावण मास में इस बार दर्शनार्थियों की संख्या के सारे रिकार्ड टूट गए थे जिसमें 1 करोड़ 5 लाख लोगों ने महाकाल दर्शन किए थे। श्रावण के बाद भी अधिक मास में शाही सवारी तक दर्शनार्थियों की संख्या में कोई कमी नहीं हुई थी। डेढ़ साल पहले तक महाकाल मंदिर में विशेष पर्व और त्यौहार पर ही 2 लाख तक दर्शनार्थियों की संख्या होती थी। किंतु महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।

भस्म आरती दर्शनार्थियों में नहीं आई कमी, अब भी ऑनलाइन और प्रोटोकॉल फुल : सरकारी छुट्टियां नहीं होने से आम दर्शनार्थियों की संख्या में तो गिरावट आई है लेकिन भस्मआरती दर्शनार्थियों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। अब भी सभी 1750 भस्मआरती परमिशन फुल चल रही है। बाबा महाकाल की भस्मआरती में प्रतिदिन 1800 से ज्यादा लोग पहुंच रहे हैं। महाकाल मंदिर में 700 ऑनलाइन परमिशन के अलावा 1 हजार से ज्यादा प्रोटोकॉल भस्म आरती परमिशन की व्यवस्था है।

लड्डुओं की बिक्री में भी गिरावट, 15 दिन में 1.53 करोड़ के लड्डू ही बिके : इन दिनों महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में कमी होने से लड्डुओं की बिक्री में भी गिरावट आई है। मंदिर प्रशासन संदीप सोनी के मुताबिक पिछले 15-20 दिनों से प्रतिदिन 28 से 30 क्विंटल लड्डुओं की बिक्री हो रही है। पिछले 15 दिनों में कुल मिलाकर 1.53 करोड़ रुपए के लड्डू बिके हैं। जबकि सामान्य दिनों में प्रतिदिन 45 से 60 क्विंटल लड्डुओं की बिक्र का रिकार्ड है। मतलब 15 दिनों में 2 से 2.5 करोड़ रुपए तक लड्डुओं की बिक्री होती है।

उज्जैन में नए साल में हो पाएगा वैदिक घड़ी का लोकार्पण

30 मुहूर्त के साथ समय बताने वाली विश्व की पहली वैदिक घड़ी की स्थापना कराने को नगर निगम ने पिछले वर्ष 6 नवंबर को भूमि पूजन कराया था...

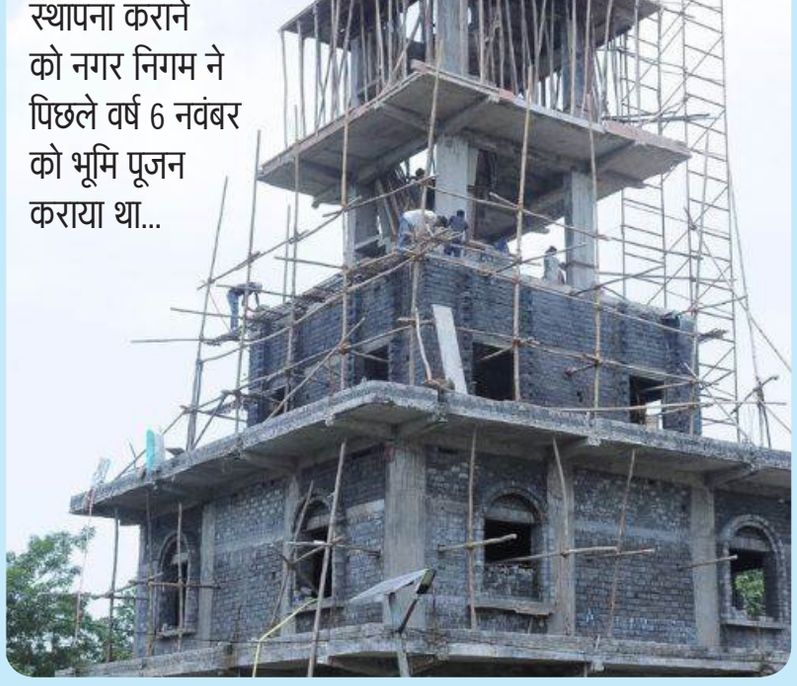

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

काल गणना के केंद्र माने गए उज्जैन में वैदिक घड़ी की स्थापना नए साल 2024 में ही हो पाएगी। क्योंकि अब तक ना घड़ी बनी है और ना टावर का निर्माण पूरा हुआ है। अगले दो महीनों में निर्माण पूरा होगा, इसकी भी अनिश्चितता है। लोकार्पण वाले काले पत्थर पर अपने नाम की चाह रखने वालों के लिए 'चुनाव आचार संहिता' भी बाधा है।

अभी कुछ दिन पहले ही निगम आयुक्त ने क्लाक टावर का निर्माण 15 नवंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। इसके पहले उन्होंने दशहरा मैदान पर राजाभाऊ महाकाल स्टेडियम, देवास रोड पर तरणताल सहित क्लाक टावर का निर्माण जनवरी-2024 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए थे।

मालूम हो कि जीवाजी वेधशाला (जंतर-मंतर) में 82 फीट ऊंचे क्लाक टावर पर 30 मुहूर्त के साथ समय बताने वाली विश्व की पहली वैदिक घड़ी की स्थापना कराने को नगर निगम ने पिछले वर्ष 6 नवंबर को भूमि पूजन कराया था।

तब दावा किया था कि एक करोड़ 47 लाख रुपये से तीन महीने में क्लाक टावर का निर्माण कराकर गुड़ी पड़वा (22 मार्च 2023) को वैदिक घड़ी की स्थापना की जाएगी, मगर ऐसा न हो सका। मुख्य कारण, फाउंडेशन वर्क के लिए खोदाई करने पर जमीन से पालीथिन ही पालीथिन निकलना, फिर संशोधित ड्राइंग-डिजाइन देरी से जारी करना रही।

बाद में ठेकेदार मुकेश गंगवार द्वारा काम को भी गंभीरता से नहीं लिया। इसके लिए उस पर पेनल्टी भी लगाई। मार्च में नगर निगम ने दावा किया था कि जुलाई तक क्लाक टावर का निर्माण पूरा करवा लिया जाएगा, फिर 15 अगस्त, 5 सितंबर और आगे चलकर 31 अक्टूबर तक काम पूरा कराने के दावे किए गए।

वर्तमान में कार्य स्थल पर छूटे काम और काम की गति को देख प्रतीत होता है कि अगले दो महीने में भी काम पूरा नहीं हो पाएगा। हो भी गया तो टावर पर वैदिक घड़ी, टेलिस्कोप स्थापित हो पाएगा या नहीं, ये कहना भी मुश्किल है। क्योंकि वैदिक घड़ी अब तक तैयार नहीं हुई है। घड़ी के निर्माण की जिम्मेदारी आरोह श्रीवास्तव को मिली है और वे अभी बीमार चल रहे हैं।

क्लाक टावर के कक्षों का उपयोग तय नहीं

क्लाक टावर में बने कक्षों का उपयोग भी अब तक तय नहीं हुआ है। व्यवस्था से जुड़े लोगों का कहना है कि कक्ष, खगोल विज्ञान की वृहद लाइब्रेरी बनाने में उपयोग लिए जा सकते हैं।

कुछ का कहना है मंत्री ने यहां सम्राट विक्रमादित्य के नौ रत्नों की प्रतिमा स्थापित कर उनसे जुड़ा साहित्य यहां रखने का सुझाव दिया है, ताकि यहां आए पर्यटक, शोधार्थी भारत के महान मनीषियों के बारे में जान सके। शोध कर कुछ नया अविष्कार कर सके।

घड़ी की ड्राइंग -डिजाइन और साफ्टवेयर तैयार

वैदिक घड़ी की ड्राइंग-डिजाइन, साफ्टवेयर तैयार है। कहा गया है कि लोग घड़ी के बैकग्राउंड में हर घंटे तस्वीर बदलते देख पाएंगे। एक वक्त में द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर, नवग्रह, राशि चक्र दिखाई देंगे तो दूसरे वक्त देश-दुनिया में होने वाले सबसे खूबसूरत सूर्यास्त, सूर्य ग्रहण के नजारे दिखाई देंगे।

एप डाउनलोड कर स्मार्ट वाच और मोबाइल में भी घड़ी के साथ इन नजारों को देखा जा सकेगा। वैदिक घड़ी के एप्लीकेशन में विक्रम पंचांग भी समाहित रहेगा, जो सूर्योदय से सूर्यास्त की जानकारी के साथ ग्रह, योग, भद्रा, चंद्र स्थिति, नक्षत्र, चौघड़िया, सूर्यग्रहण, चंद्रग्रहण की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएगा।

20 नवंबर को निकलेगी महाकाल की कार्तिक मास की पहली सवारी

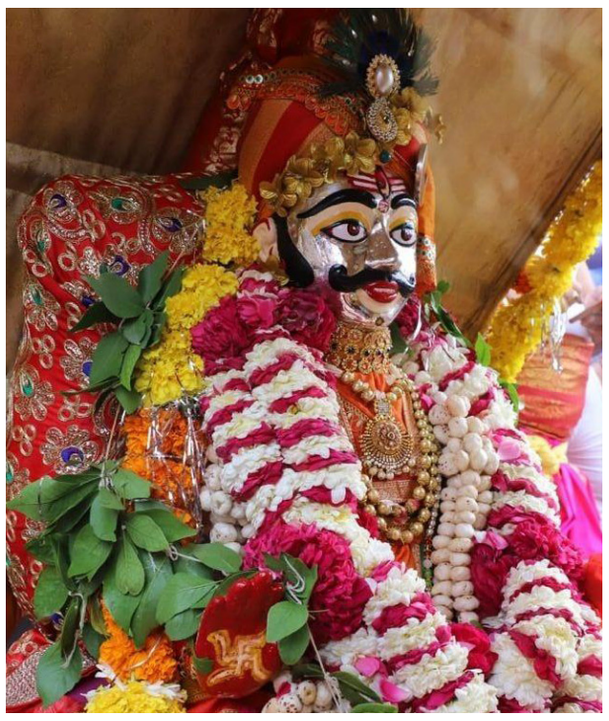

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

कार्तिक मास शुरु हो चुका है। कार्तिक शुक्ल पक्ष के पहले सोमवार 20 नवंबर को ज्योतिर्लिंग महाकाल की पहली सवारी निकलेगी। महाकाल की सावन-भादौ की तरह कार्तिक-अगहन मास में भी सवारी निकलने की परंपरा है। कार्तिक शुक्ल पक्ष के पहले सोमवार 20 नवंबर को इन सवारियों की शुरुआत हो जाएगी।

20 नवंबर को कार्तिक शुक्ल अष्टमी पर कार्तिक अगहन मास की पहली सवारी निकलेगी। इस दिन से महाकाल को चांदी की पालकी में विराजमान कर शिप्रा तट ले जाएंगे। 11 दिसंबर को महाकाल की शाही सवारी निकाली जाएगी।

महाकाल मंदिर में मराठा परंपरा का विशेष तौर पर प्रभाव है। महाराष्ट्रीयन परंपरा में शुक्ल पक्ष से माह का शुभारंभ माना जाता है। कार्तिक-अगहन मास में भी महाकाल की सवारी कार्तिक शुक्ल पक्ष के पहले सोमवार से शुरु होती है। इसी वजह से इस बार 20 नवंबर से सवारी निकालने की शुरुआत होगी।

गोपाल मंदिर में होगा हरि हर मिलन

कार्तिक अगहन मास में हरि हर मिलन सवारी भी निकलेगी। इसमें महाकाल भगवान गोपाल को सृष्टि का भार सौंपने के लिए गोपाल मंदिर जाते हैं। हरि हर मिलन की सवारी वैकुंठ चतुर्दशी पर 25 अक्टूबर की रात 11 बजे निकलेगी। मध्यरात्रि 12 बजे महाकाल का हरिहर से मिलन होगा। परंपरानुसार पूजा के बाद महाकाल की सवारी पुनः मंदिर के लिए रवाना होगी।

कार्तिक अगहन मास में सवारी

- 20 नवंबर पहली सवारी
- 25 नवंबर रात 11 बजे हरिहर मिलन सवारी
- 27 नवंबर दूसरी सवारी
- 04 दिसंबर तीसरी सवारी
- 11 दिसंबर कार्तिक-अगहन मास की शाही सवारी

उज्जैन में शुरू हुई देश की सबसे बड़ी भोजनशाला, एक साथ 50 हजार श्रद्धालु कर सकेंगे भोजन

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल कई नगरी उज्जैनीय में देश की सबसे बड़ी रसोई में माने जाने वाली उज्जैन की महाकाल मंदिर की भोजनशाला श्रद्धालुओं के लिए शुरू हो गई है. आपको बता दे इस हाईटेक भोजशाला में अब श्रद्धालु दूर दूर से भोजन करने पहुंच रहे हैं. इतनी बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं का प्रतिदिन भोजन बनाने के लिए मानव श्रम भी कम लगे, इसका विशेष ध्यान रखा गया है. मंदिर में परिसर में स्थित अन्न क्षेत्र में पूरी में तरह से ऑटोमेटिक मशीन लगाई गई है, जिसके जरिए कुछ समय में हजारों लोगों का भोजन तैयार हो जाएगा. पूड़ी बनाने की मशीन, आटा घूनने की मशीन व अन्य मशीन यहा लगी हुई है.

भोजनशाला का निर्माण महाकालेश्वर मंदिर समिति की ओर से किया गया है. वह देश की सबसे बड़ी भोजशाला में शामिल है. भोजशाला में सुबह और शाम को 50000 श्रद्धालु भोजन कर सकेंगे. इस योजना का आगे और विस्तारीकरण करते हुए इसे एक लाख श्रद्धालु तक पहुंचाया जाएगा. अन्न क्षेत्र का निर्माण महाकालेश्वर मंदिर समिति के साथ-साथ दानदाताओं के सहयोग से किया गया है.

साफ सफाई का रखा जा रहा ध्यान- अच्छे खाने को और शुद्ध करने के लिए साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है.वही भोजन बनाते समय भी साफ सफाई और अन्य चीजों का भी ध्यान रखा जाता है.आपको बता दे यह भोजनशाला देश की प्रमुख रसोइयों में से एक मानी जाती है, जिसके अंदर हाईटेक ऑटोमैटिक मशीनों से खाना बनाया जाता है.

श्रद्धालु कर रहे भोजन की प्रशंसा- वहीं श्रद्धालुओं ने भोजनशाला को लेकर भी काफी प्रशंसा जाहिर की है. साथ ही श्रद्धालुओं ने खाने की क्वालिटी और व्यवस्थाओं को लेकर भी जमकर तारीफ की है. बता दें भोजनशाला शुरू होने के बाद लगातार प्रतिदिन 1000 श्रद्धालु भोजनशाला में भोजन करते हैं.

शिव पूजा में तुलसी प्रतिबंधित...

साल में 1 दिन महाकाल पहनते हैं तुलसी की माला

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल आने वाली 25 नवंबर को भगवान श्री हरि को सृष्टि का भार सौंपेंगे. हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हरि-हर मिलन धूमधाम से मनाया जाएगा. उज्जैन में इस परंपरा को लेकर महाकाल मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा का कहना है कि तत्कालीन सिंधिया रियासत में शैव और वैष्णवों के बीच परस्पर मेल-मिलाप की नीति लागू की गई थी.

तत्कालीन रियासतदारों की सोच थी कि यदि शैव और वैष्णव धर्म के नाम पर कथित रूप से आपस में विवाद नहीं करते हैं और एक हो जाते हैं तो हिंदू धर्म की एकता अधिक मजबूत होगी. यही कारण है कि तत्कालीन सिंधिया रियासत के जमाने से 'हरि-हर मिलन' की परंपरा शुरू की गई.

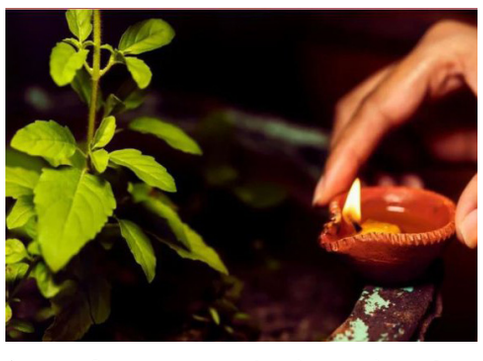

शिव धारण करेंगे तुलसी और गोपाल को चढ़ेगी बेलपत्र की माला : भगवान शिव के पूजन में तुलसी पत्र प्रतिबंधित है, लेकिन हरि-हर मिलन के वक्त भगवान शिव तुलसी पत्र से बनी माला धारण करते हैं. वहीं श्री हरि बेलपत्र की माला धारण करते हैं. दोनों भगवानों की पूजा पद्धति को बदला जाता है. हरि-हर मिलन के वक्त महाकाल मंदिर के पुजारी द्वारकाधीश की पूजा भगवान महाकाल की पूजा पद्धति से करते हैं और द्वारकाधीश को आंकड़े के फूल की माला पहनाई जाती है. शिव पूजन के मंत्रों का वाचन किया जाता है. इसके बाद जब भगवान महाकाल का पूजन किया जाता है तब गोपाल मंदिर के पुजारी बाबा महाकाल को तुलसी पत्रों की माला पहनाकर द्वारकाधीश की पूजन के वक्त पढ़े जाने वाले पावन सूक्त का पाठ करते हैं.

25 नवंबर को होगा आयोजन : महाकाल मंदिर से शाही ठाठ-बाट के साथ भगवान महाकाल की सवारी निकली जाएगी. रात करीब 12 बजे गोपाल मंदिर में हरि हर मिलन होगा, भगवान महाकाल की ओर से गोपाल जी को बेलपत्र की माला अर्पित की जाएगी. वहीं, गोपाल जी की ओर से भगवान महाकाल को तुलसी पत्र की माला पहनाई गई.

फिर ज़हरीली हवा

आत्मघाती जुनून की तार्किकता का सवाल

तंत्र के नाकारापन और लोगों के गैरजिम्मेदार व्यवहार से दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जहरीली हवा बह रही थी, कुदरत की फुहार से उसमें बड़ी राहत मिली थी। लोग चैन की सांस लेने लगे थे। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद दिल्ली व केंद्र सरकार कार्रवाई करने की बात कर रहे थे। लेकिन दिवाली पर जमकर हुई आतिशबाजी ने एक बार फिर उन लोगों के अरमानों पर पानी फेर दिया जो प्रदूषण कम होने से राहत की उम्मीद लगा रहे थे। लेकिन दिवाली के बाद अगली सुबह दर्ज आंकड़ों ने फिर दिल्ली की जहरीली हुई हवा की हकीकत बता दी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जमकर आतिशबाजी हुई और सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक नौ सौ पार कर गया। यह विडंबना ही है कि लोग संपन्नता के प्रदर्शन व क्षणिक सुख के लिये दूसरों के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आते। यह विचारणीय विषय है कि जब शीर्ष अदालत के आदेश के अनुसार दिल्ली व आसपास के इलाकों में पटाखों की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा हुआ था तो इतने पटाखे कैसे फूटे? जाहिर है, तंत्र की नाकामी ही सामने आई। इस मुद्दे पर जमकर राजनीतिक बयानबाजी हो रही है। दिल्ली सरकार का आरोप है कि दिल्ली में तो पटाखों पर प्रतिबंध था लेकिन भाजपा शासित हरियाणा में पटाखों पर रोक नहीं लगाई गई, जिसके चलते हरियाणा से लगते दिल्ली के इलाकों में जमकर पटाखों की खरीद-फरोख्त हुई। सवाल यह भी कि दिल्ली शासन-प्रशासन ने इस पर अंकुश लगाने की पहल क्यों नहीं की। निश्चित रूप से नागरिक के रूप में तो हमारी यह विफलता है लेकिन तंत्र भी अपनी नाकामी को नहीं छुपा सकता। दिल्ली सरकार व भाजपा के आरोप-प्रत्यारोपों के बीच मानवता इस संकट की कीमत चुका रही है। जो एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। बेहतर होता कि इस स्थिति को टालने के प्रयास किये जाते और राजनीतिक दल मतभेद भुलाकर सामने आते।

यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि दिवाली के दूसरे दिन एक्यूआई का स्तर नौ सौ का आंकड़ा पार कर गया। जो दुनिया में भारतीय तंत्र की नाकामी की वजह से देश की प्रतिष्ठा पर आंच लाने वाला है। विडंबना है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा था कि बेरियम से बने पटाखों पर बैन है तो यह प्रतिबंध सिर्फ दिल्ली-एनसीआर पर ही नहीं, हर राज्य पर लागू होता है। सवाल यह है कि दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों वाले पड़ोसी राज्यों का पुलिस प्रशासन यदि सख्ती दिखाता तो यह संकट इतना गहरा नहीं होता। यदि सतर्कता बरती जाती तो नौ-दस नवंबर की बारिश से जो राहत मिली थी, वह किसी सीमा तक बरकरार रह सकती थी। इस बारिश से करीब पचास फीसदी प्रदूषण कम हो गया था। मगर भारी आतिशबाजी के चलते तेरह नवंबर को दिल्ली के लाजपत नगर में वायु गुणवत्ता सूचकांक साढ़े नौ सौ से अधिक दर्ज किया गया। इस आतिशबाजी से देश में एक्यूआई चार गुना होने की बात कही जा रही है। देश के कई भागों में पटाखे जलाने के बाद वातावरण में प्रदूषित धुएं की काली परत देखी गई। जो प्रदूषण के खतरनाक स्थिति तक पहुंचने का परिचायक है। यह स्थिति पिछले कुछ सालों से बदतर हालात को दर्शाती है। यह संकट कितना घातक है कि कई स्थानों पर प्रदूषण का पी.एम. 2.5 का स्तर 45 गुना तक बढ़ा पाया गया। इसी तरह पी.एम.10 का स्तर 33 फीसदी तक बढ़ा पाया गया। ये कण इतने घातक हैं कि सांस के जरिये मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इनकी हवा में उपस्थिति आदमी के लिये नुकसानदायक हो सकती है। बहरहाल इतना तय है कि एक नागरिक के तौर पर जब तक हम जिम्मेदार व्यवहार नहीं करेंगे, यह संकट समाप्त नहीं होगा। संवेदनहीन तंत्र हर बार कोर्ट की चाबुक के बाद जागता है लेकिन फिर अपनी सुप्त अवस्था में चला जाता है। यह स्थिति जनता की सक्रियता व जिम्मेदार व्यवहार से ही सुधरेगी। इस भयावह संकट की आहट को हर नागरिक को महसूस करना होगा।

मुफ्त की रेवड़ियों से

कठघरे में चुनावी राजनीति

हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने निश्चय कर लिया है कि अगले पांच साल तक देश के गरीबों को मुफ्त राशन मुहैया करायेंगे। इस निश्चय की घोषणा उन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की चुनावी सभा में की है! यह 'निश्चय' शब्द उन्हीं का है। उन्होंने स्पष्ट कहा है, 'मैंने निश्चय कर लिया है।' उन्होंने यह नहीं कहा कि यदि वे चुनाव जीत गये। स्पष्ट है वे यह मानकर चल रहे हैं कि पांच राज्यों में ही नहीं, लोकसभा के 2024 के चुनाव में भी वही विजय हासिल करेंगे।

ऐसी कोई सूचना कितनी विश्वसनीय है यह तो चुनाव-परिणाम ही बतायेंगे, पर मुफ्त अनाज बांटने की घोषणा करके उन्होंने यह तो बता ही दिया है कि गरीबों को मुफ्त अनाज चुनावी लड़ाई में उनका एक बड़ा हथियार है, जिसे वे कारगर मानते हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव अक्सर 'रोटी, कपड़ा और मकान' के नाम पर ही जीते जाते रहे हैं। पिछले एक अर्से से इसमें धर्म और जुड़ गया है, पर भूख निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दा है। बेरोज़गारी, महंगाई जैसे मुद्दे भी अंततः भूख से ही जुड़े हुए हैं। ऐसे में यह मानना ग़लत नहीं होगा कि मुफ्त अनाज वाली यह तरकीब काफी कारगर सिद्ध हो सकती है।

वस्तुतः मुफ्त अनाज की शुरुआत देश में कोरोना-काल में हुई थी। सरकारी दावों के अनुसार इस दौरान देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांटा गया था। दुनियाभर में भारत सरकार की इस पहल की सराहना हुई थी। देश में भी प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम को सराहा गया था। फिर, पिछले दो साल में भी इस अनाज योजना को लागू रखा गया और भाजपा को इसका लाभ भी मिला। प्रधानमंत्री को लग रहा है यह लाभ आगे भी मिलता रहना ज़रूरी है– इसीलिए अब आगामी पांच साल तक मुफ्त अनाज बांटने की इस योजना को चालू रखने के निश्चय की घोषणा कर दी गयी है।

कोरोना-काल में इस तरह की योजना देश की जनता की आवश्यकता थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि तब करोड़ों लोगों के रोज़गार छिन गये थे। बड़ी संख्या में फैक्टरियां, कारखाने, दफ्तर आदि बंद हो गये थे। बीमारी और बेरोज़गारी ने भयावह स्थिति उत्पन्न कर दी। ऐसी स्थिति में अस्सी करोड़ जनता को मुफ्त अनाज देकर सरकार ने एक अभूतपूर्व काम किया था। लेकिन क्या आज भी स्थिति वैसी ही है जैसी तीन साल पहले थी? क्या अब भी फैक्टरियां, कारखाने, दफ्तर बंद हैं? क्या अब भी देश के लोग भूखे सो रहे हैं अथवा उन्हें भूखा सोना पड़ रहा है? यदि ऐसा है तो यह निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। देश के अस्सी करोड़ लोगों की भूख मिटाने के लिए सरकार की 'अनुकंपा' पर निर्भर रहना पड़े, यह चिंता की बात भी है, और शर्म की बात भी। कोरोना-काल एक अपवाद था। उस समय की विवशताओं को समझा जा सकता है। पर ऐसी किसी व्यवस्था का स्थाई बन जाना अपने आप में एक बड़ी समस्या है। देश की जनता को काम मिले, उसकी भूख मिटे, उसे जीवन को बेहतर बनाने के पर्याप्त और उचित अवसर मिलें यह किसी भी सरकार का बुनियादी कर्तव्य होता है। लेकिन इस सबके लिए सरकार की कृपा की आवश्यकता हो और जनता को कतारों में खड़े होकर हाथ पसारने पड़ें तो इसे एक सोचनीय स्थिति ही कहा जाना चाहिए। सवाल यह भी उठता है कि यदि देश की अर्थ व्यवस्था दसवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है, और तीसरे स्थान तक पहुंचाने के दावे किये जा रहे हैं, तो अस्सी करोड़ लोग मुफ्त राशन पर निर्भर क्यों हों?

चुनावी मौसम में आश्वासनों और वादों की उपयोगिता असंदिग्ध है। दावे भी समझ में आते हैं। एक सीमा तक 'रेवड़ियां' बांटना भी समझा जा सकता है। पर अस्सी करोड़ लोगों को भूखा न सोना पड़े और इसके लिए सरकारी कृपा पर आश्रित होना पड़े, यह बात आसानी से समझ नहीं आती। इस स्थिति का सीधा-सा मतलब यह है कि सरकार देश की जनता को उचित जीवन-स्थितियां देने के अपने बुनियादी काम में विफल रही है। इस विफलता के लिए 'पिछली सरकारों' को दोषी ठहराना एक सीमा तक तो समझ में आता है, पर इस विफलता का सारा ठीकरा पहले की सरकारों पर फोड़ना किसी भी दृष्टि से समझ नहीं आता। कोई भी सरकार ऐसी स्थिति के दायित्व से बच नहीं सकती। यह मान भी लिया जाये कि पिछली सरकारों ने अपना कर्तव्य ठीक ढंग से नहीं निभाया था, तब भी मौजूदा सरकार का यह कर्तव्य बनता है कि वह स्थिति को सुधारे। यदि आज सरकार को पांच साल तक मुफ्त अनाज बांटने की घोषणा करनी पड़ रही है तो यह इस बात का ही प्रमाण है कि सरकार की नीतियों में कहीं खोट है या फिर उनका क्रियान्वयन ग़लत है। साठ साल की तुलना में दस साल कम होते हैं, इसमें संदेह नहीं, पर दस साल इतने कम भी नहीं होते कि कोई सरकार समय की कमी को कारण बताकर अपने कर्तव्य से पल्ला झाड़ ले। जनता को पांच साल तक मुफ्त अनाज देने की व्यवस्था को स्वीकार करना एक तरह से अपनी विफलता को ही स्वीकार करना है।

लेकिन सरकार विकास के दावे कर रही है। कृषि के क्षेत्र में, उद्योग के क्षेत्र में, व्यवसाय के क्षेत्र में- सब क्षेत्रों में विकास की बातें हो रही हैं, तो फिर मुफ्त अनाज बांटने की यह विवशता क्यों?

इस प्रश्न का एक उत्तर उस मानसिकता में है जो 'रेवड़ियां बांटने' को चुनावी जीत का एक आधार मानती है। मतदाता को रिझाने के लिए राजनीतिक दल और राजनेता पिछले एक अर्से से मुफ्त सामान बांट रहे हैं। नकद राशि भी बंटती रही है। हर चुनाव में बड़ी मात्रा में काले धन की बरामदगी इस बात का ही उदाहरण है कि वोट मांगे नहीं जा रहे, खरीदे जा रहे हैं। यह वोट खरीदना कुल मिलाकर जनतंत्र के साथ छल ही है। यह सही है कि मतदाता का वोट बेचना भी उतना ही ग़लत है, पर मुफ्त राशन और नकद सहायता जैसे काम हमारी चुनावी-राजनीति को कठघरे में ही खड़ा करते हैं। कुल मिलाकर वोटों की ही यह खरीद-फरोख्त किसी अपराध से कम नहीं। हैरानी तो यह भी है कि चुनावी मौसम में इस सब को जायज मान लिया गया है!

देश की राजनीति के ठेकेदारों को इस सवाल का जवाब तो देना ही होगा कि वोट ख़रीदने में उन्हें शर्म क्यों नहीं आती? मतदाता को भी अपने आप से यह पूछना पड़ेगा कि उसकी विवशता को राजनेता अपना हथियार कैसे बना लेते हैं? सस्ती दरों पर जनता को ज़रूरी सामान मुहैया कराना एक ज़रूरत हो सकती है, पर इस ज़रूरत को पूरा करने के नाम पर मतदाता को रिश्वत देने की कोशिश करना एक अपराध है। पीड़ा इस बात की ज़्यादा है कि यह सब कुछ खुलेआम हो रहा है—और नेतृत्व के हर स्तर पर हो रहा है!

वर्ल्ड कप के जीते हुए मैचों में अब सबसे ज्यादा रन विराट के नाम

तेंदुलकर को रन मशीन ने पीछे छोड़ा

सिंहस्थ लोक

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में गजब की फॉर्म में चल रहे भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली नीदरलैंड्स के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद एक बड़ी पारी खेलने से जरूर चूक गए, लेकिन इस पारी के दम पर उन्होंने सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। विराट कोहली ने वर्ल्ड कप के लीग मैचों के समापन के बाद अपना सफर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज के तौर पर किया। अब बारी नॉकआउट मैच की है जिसमें टीम इंडिया का सामना न्यूजीलैंड के साथ बुधवार को मुंबई में होगा।

विराट कोहली ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

विराट कोहली ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 के आखिरी लीग मैच में नीदरलैंड्स के खिलाफ इस वर्ल्ड कप का अपना 5वां अर्धशतक लगाया। वहीं 9 पारियों में वह 5 अर्धशतक के अलावा 2 शतक भी लगा चुके हैं और लीग मैचों के समापन के बाद वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर 594 रन के साथ मौजूद हैं। विराट कोहली का इस वर्ल्ड कप में औसत 99.00 का रहा है जो काफी शानदार है।

नीदरलैंड्स के खिलाफ खेली पारी के दम पर उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया और वनडे वर्ल्ड कप के जीते हुए मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली से पहले जीते हुए मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे जिन्होंने 1516 रन बनाए थे, लेकिन विराट कोहली ने 1547 रन बनाते हुए सचिन को पीछे छोड़ दिया और नंबर एक पर काबिज हो गए। वर्ल्ड कप के जीते हुए मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं जिन्होंने अब तक 1344 रन बनाए हैं तो वहीं रिकी पोंटिंग चौथे जबकि डेविड वार्नर पांचवें स्थान पर हैं।

वनडे वर्ल्ड कप में जीत के मामले में सबसे ज्यादा रन

1547 रन – विराट कोहली
1516 रन – सचिन तेंदुलकर
1344 रन – रोहित शर्मा
1342 रन – रिकी पोंटिंग
1216 रन – डेविड वार्नर

रोहित की कप्तानी के कायल हुए गंभीर

सिंहस्थ लोक

पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा के कप्तानी कौशल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि एक अच्छा कप्तान टीम के अपने साथियों को सुरक्षा प्रदान करता है और दाएं हाथ का यह बल्लेबाज वर्षों से ऐसा कर रहा है। रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने रिकॉर्ड पांच बार आईपीएल के खिताब जीते। मौजूदा विश्व कप में रोहित ने अभी तक बल्लेबाज और कप्तान के रूप में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है। भारत ने लीग चरण के सभी नौ मैच जीत कर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां बुधवार को उसका सामना न्यूजीलैंड से होगा।

गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'एक अच्छा कप्तान आपको सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे ड्रेसिंग रूम सिर्फ उसके लिए ही नहीं, बल्कि अन्य खिलाड़ियों के लिए भी सुरक्षित स्थान बन जाता है। और रोहित शर्मा ने ऐसा किया है।' उन्होंने कहा, 'यही वजह है कि रोहित ने पांच आईपीएल ट्रॉफी जीती हैं। यही कारण है कि जब उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मैचों में कप्तानी करनी शुरू की तो जीत का उनका आंकड़ा शानदार रहा। अगर आप आंकड़ों और ट्रॉफी की बात करें तो उन्होंने हर क्षेत्र में सफलता हासिल की है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने ड्रेसिंग रूम को बेहद सहज बना दिया है।'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पावरप्ले में रोहित का आक्रामक रवैया पसंद है। उन्होंने कहा, 'रोहित ने टीम को तेजतर्रार शुरुआत देने का प्रयास किया है। आपने देखा होगा कि टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा होता गया। ऐसे में शुरुआती पावरप्ले में विपक्षी टीम पर दबाव बनाना वास्तव में बेहद महत्वपूर्ण बन जाता है।'

जोकोविच रिकॉर्ड आठवीं बार सत्र के आखिर में नंबर वन

तूरिन

24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने होल्गर रूने को 7-6, 6-7, 6-3 से हराकर आठवीं बार सत्र के आखिर में नंबर एक रैंकिंग हासिल करके अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर किया। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'यह काफी जज्बाती और कठिन जीत थी। काफी दबाव था और यह जीत काफी मायने रखती है।' जोकोविच ने दो साल पहले सर्वाधिक छह बार सत्र के आखिर में नंबर एक रहने का पीट सम्प्रास का रिकॉर्ड तोड़ा था। पिछले साल कार्लोस अलकाराज साल के अंत में शीर्ष पर थे। इस टूर्नामेंट के बाद जोकोविच 400 सप्ताह तक शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ी बन जायेंगे। रोजर फेडरर 310 सप्ताह तक शीर्ष पर रहे हैं। एक अन्य मैच में यानिक सिनेर ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-4, 6-4 से हराया।

भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में छठे नंबर पर

नयी दिल्ली

हांगझोउ एशियाई खेलों और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठे नंबर पर पहुंच गई। भारत अब इंग्लैंड से ऊपर है। भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों से पहले आठवें स्थान पर थी। हांगझोउ में भारत ने कांस्य पदक जीता और रांची में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में अपराजेय रहते हुए खिताब हासिल किया। नीदरलैंड रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज है, जबकि आस्ट्रेलिया दूसरे और अर्जेंटीना तीसरे स्थान पर है। बेल्जियम चौथे और जर्मनी पांचवें स्थान पर है। भारतीय टीम रांची में 13 से 19 जनवरी तक एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर खेलेगी। इसमें उसका सामना जर्मनी, न्यूजीलैंड, जापान, चिली, अमेरिका, इटली और चेक गणराज्य से होगा।

अभी तक स्कूलों में 40% कोर्स ही पूरा हुआ

चुनाव के बीच फंसी 10वीं और 12वीं की पढ़ाई

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बीच कक्षा 10 और 12 के विद्यार्थियों की पढ़ाई फंसी हुई है। लोकसभा चुनाव की वजह से परीक्षा एक माह पहले फरवरी माह में आयोजित होगी, वहीं विधानसभा चुनाव की व्यस्तता की वजह से विद्यार्थियों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। इसका नतीजा यह है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जाने वाली कक्षा 10 और 12वीं की परीक्षा तक विद्यार्थियों का कोर्स पूरा होना भी मुश्किल है।

एमपी बोर्ड परीक्षा वाले स्कूलों में अभी तक 35 से 40 फीसदी तक ही कोर्स हुआ है, चुनाव और त्योहार की व्यस्तता की वजह से दिसंबर तक यह कोर्स पूरा हो पाएगा इसको लेकर अभी आशंका है। अगर कहीं यह कोर्स पूरा भी कर लिया जाता है तो भी पचास फीसदी कोर्स रह जाएगा वह फरवरी में होने वाली परीक्षा तक शायद ही पूरा हो पाए। हायर सेकंडरी और हाईस्कूल की परीक्षाएं शुरू होने से पहले विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल क्लास शुरू की जाती थी, लेकिन अभी तक यह कक्षाएं भी स्कूलों में शुरू नहीं हुई हैं हालांकि इन कक्षाओं के लिए शिक्षकों की ट्रेनिंग तो हो चुकी है। इन कक्षाओं में उन विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है जो पढ़ाई में कमजोर होते हैं, जिनका त्रैमासिक रिजल्ट कमजोर रहता है।

इस रिजल्ट के बाद इन विद्यार्थियों के उन क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाता है जिनमें यह कमजोर रहते हैं। रेमेडियल क्लास अभी शुरू नहीं हो पाई हैं, इसके बाद नवंबर में चुनाव और दीपावली का त्योहार है, ऐसे में कभी स्कूलों का अवकाश रहेगा, तो कभी शिक्षक ड्यूटी में रहेंगे और स्कूल भवनों में मतदान केंद्र बनेंगे। विद्यार्थियों की अतिरिक्त कक्षाएं लगाकर पढ़ाई कराना भी इन हालातों में मुश्किल है। ऐसे में नवंबर माह में ज्यादा पढ़ाई होना संभव दिखाई नहीं देता है। दिसंबर में छमाही परीक्षा का आयोजन किया जाना है, इस माह का ज्यादातर हिस्सा, परीक्षा और मूल्यांकन में चला जाएगा। इसके बाद सिर्फ जनवरी माह ही बचता है जिसमें विद्यार्थियों का कोर्स भी पूरा कराना होगा, उनका रिवीजन भी कराना होगा।

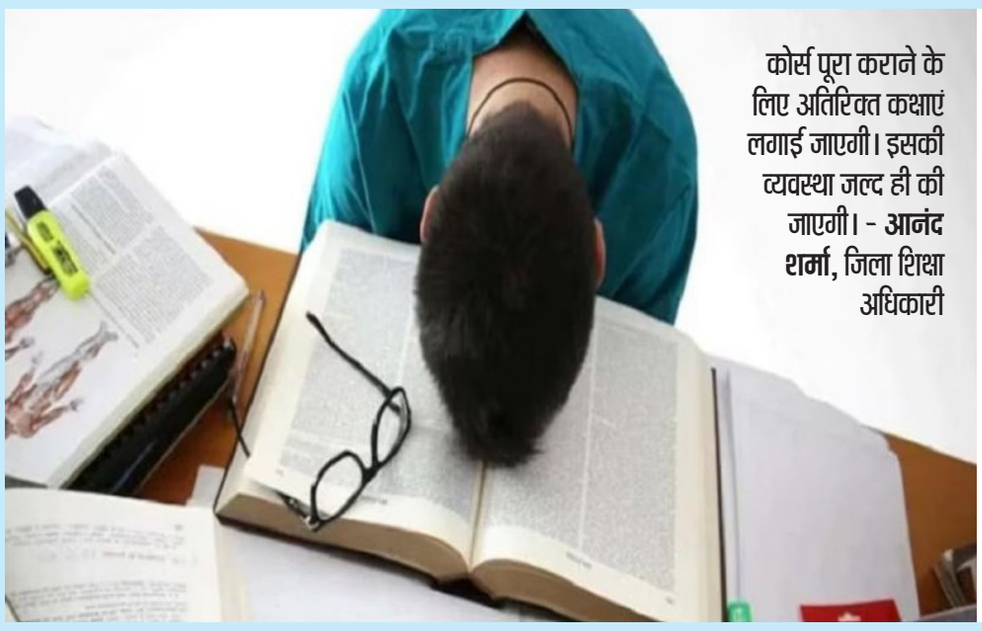

कोर्स पूरा कराने के लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जाएगी। इसकी व्यवस्था जल्द ही की जाएगी। - आनंद शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी

पिछले सत्र का रिजल्ट बिगड़ा

चुनाव पहले से ही तय था, एक माह पहले फरवरी में वार्षिक और दिसंबर में अर्द्धवार्षिक परीक्षा कराए जाने की घोषणा पहले कर दी गई थी। पिछले साल हायर सेकंडरी का रिजल्ट भी 45 फीसदी रहा था। इसको ध्यान में रखते हुए सत्र शुरू होने के साथ ही तैयारी शुरू कराई जाना चाहिए थी। अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित की जाना चाहिए थी, रेमेडियल कक्षाएं भी अक्टूबर के शुरुआत में आयोजित होना चाहिए थीं। लेकिन यह सब नहीं किया गया अब विद्यार्थियों की पढ़ाई फंस गई है।

प्री-बोर्ड परीक्षाओं पर भी संकट गहराया

स्कूलों में प्री-बोर्ड परीक्षा का कन्सप्ट शुरू किया गया था, इसका उद्देश्य था छः माही परीक्षा के बाद कोर्स पूरा कराया जाए और इसके बाद प्री-बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया जाए। यह परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर आयोजित की जाती थी, इसके मूल्यांकन में छात्रों में जो कमियां मिलती थीं उनको दुरुस्त कराया जाता था।

घड़ी वाले बाबा

उज्जैन में यहां से गुजरने पर दिन-रात आती है 'टिक-टिक' की आवाज

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनकी अपनी अलग ही मान्यता है. उज्जैन से 40 किलोमीटर दूर महिदपुर और उन्हेल के बीच सड़क किनारे घड़ी वाले बाबा का मंदिर है. मान्यता है कि यहां आने वालों का वक्त बदल जाता है. भक्त यहां आकर मन्नत मांगते हैं. पूरा होने पर यहां पर दीवार घड़ी चढ़ाते हैं.

बीते दो साल में यह मंदिर इतना प्रसिद्ध हो गया कि अब 4 बाई 6 फीट के मंदिर में घड़ी रखने की जगह नहीं बची. इसलिए भक्तों ने पेड़ पर ही घड़ियां टांगनी शुरू कर दी. जब लोग इस रास्ते से गुजरते हैं तो उन्हें दिन रात टिक-टिक की आवाज सुनाई देती है. श्रद्धालु पवन आंजना ने बताया कि एक दशक से ज्यादा वक्त से यहां पर मंदिर में घड़ियां चढ़ाई जा रही हैं. कहा कि इसके पीछे की मान्यता पर श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है.

समय खराब होने पर भी चढ़ाते हैं घड़ी

शिप्रा नदी के नजदीक स्थित इस गांव की प्रसिद्धि यहां के छोटे मंदिर की वजह से देश और दुनिया भर में है. यहां स्थित सगस भैरव का मंदिर न सिर्फ इलाके के हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है, बल्कि यहां पर दूर-दूर से श्रद्धालु इस उम्मीद के साथ आते हैं कि यहां पर घड़ी चढ़ाने से उनका सही वक्त शुरू हो जाएगा. कई भक्तों की यह भी मान्यता है कि उनका वक्त यही से बदला है.

कभी मंदिर से चोरी नहीं हुई घड़ी

ग्रामीणों ने बताया कि पूर्णिमा और रविवार को यहा काफी भीड़ होती है. गांव के लोगों का कहना है कि कितनी भी कीमती घड़ी हो, कभी भी मंदिर से कोई घड़ी चोरी नहीं हुई. मंदिर में कोई पुजारी भी नहीं है. गांव के लोगों का मानना है कि सगस महाराज के इस स्थान पर हर मनोकामना पूर्ण होती है.

विधानसभा चुनाव 2023 में सुविधा

वॉटसएप चैटबॉट से भी मतदाताओं को मिलेगी चुनावी की जानकारियां

उज्जैन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र द्वारा प्रदेश के मतदाताओं की सुविधा के लिए सीईओ, एमपी के नाम से व्हाट्सएप चैटबॉट लांच किया गया है। प्रदेश के मतदाताओं को निर्वाचन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां आसानी से मिल सके, इसके लिए मतदाताओं को व्हाट्सएप चैटबॉट की सुविधा प्रदान की गई है।

चैटबॉट के माध्यम से बातचीत कर मतदाता निर्वाचन से संबंधित विभिन्न जानकारियां जैसे मतदाता सूची में नाम दर्ज है या नहीं, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के तरीके, उसमें लगने वाले दस्तावेज आदि निर्वाचन से जुड़ी महत्वपूर्ण

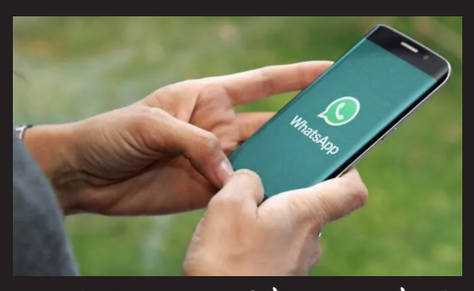

जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। व्हाट्सएप चैटबॉट ceomadhyapradesh.nic.in पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में 24 घंटे उपलब्ध है। नागरिक वेबसाइट पर जाकर आसानी से व्हाट्सएप चैटबॉट से जुड़ सकते हैं।

क्यूआर कोड के माध्यम से भी जुड़ सकते हैं - व्हाट्सएप चैटबॉट से वेबसाइट के साथ ही मतदाता क्यूआर कोड के माध्यम से भी सीईओ, एमपी के व्हाट्सएप चैटबॉट से आसानी से जुड़ सकते हैं। इसके लिए मतदाताओं को क्यूआर कोड स्कैन कर लिंक पर क्लिक करना होगा। क्लिक करते ही सीईओ, एमपी के नाम से वैरीफाइड व्हाट्सएप पेज ओपन होगा। क्यूआर कोड भी ceomadhyapradesh.nic.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

भैरवगढ़ जेल में चार बंदियों के पास मिले 31 हजार रुपये, जेल प्रहरियों को नोटिस

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

केंद्रीय जेल भैरवगढ़ एक बार फिर सुर्खियों में है। चार कैदियों के पास से 31 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। दो जेल प्रहरियों को नोटिस जारी किया गया है। कैदियों का एक साल का पैरोल रोक दिया गया है। इसके अलावा सात दिन की अर्जित माफी भी खत्म कर दी गई है। चारों को अन्य जेलों में भेजने के लिए जेल मुख्यालय को पत्र लिखा गया है।

जेल अधीक्षक मनोज साहू ने बताया कि जेल में बंद मियादी बंदी मुकेश, नरेंद्र, कुलदीप, संजू को कार्यालय, गार्डन व अन्य काम सौंपे गए हैं। इसके लिए जेल परिसर में ही बंदियों से काम करवाया जाता है। जेल के बाहर ही कार्यालय में इनके कपड़े रखे रहते हैं। चार दिन पूर्व इनके कपड़ों की जांच की गई थी।

इस पर कुल 31 हजार रुपये बंदियों के कपड़ों से मिले थे। राशि मिलने पर हड़कंप मच गया था। ड्यूटी पर तैनात जेल प्रहरी संजय व्यास व प्रेमनारायण खत्री को नोटिस जारी कर दिया गया है। दोनों से तीन दिनों में जवाब देने को कहा गया है। इसके अलावा कैदियों पर सख्त कार्रवाई की गई है।

चारों का एक साल के लिए पेरोल रोका गया और सप्ताह भर की अर्जित माफी खत्म कर दी गई है। वहीं चारों को अन्य जेलों में भेजने के लिए जेल मुख्यालय को पत्र लिखा गया है। जल्द ही चारों बंदियों को अन्य जेलों में भेज दिया जाएगा।

श्री महाकाल महालोक पार्किंग में रखी कार का कांच फोड़कर रुपये व मोबाइल चोरी

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

महाकाल लोक के समीप त्रिवेणी संग्रहालय पार्किंग में खड़ी एक श्रद्धालु की कार का कांच अज्ञात बदमाश ने फोड़ दिया। चोर ने कार की सीट पर रखा पर्स चोरी कर लिया। जिसमें पांच हजार रुपये व तीन मोबाइल रखे हुए थे। पुणे के श्रद्धालु की शिकायत पर उज्जैन महाकाल पुलिस ने केस दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय महेश कुमार पुत्र नंदलाल झंवर निवासी पुणे महाराष्ट्र अपनी कार क्रमांक एमएच 14 जेएक्स 8014 से परिवार सहित महाकाल दर्शन करने के लिए उज्जैन आया था। महेश ने अपनी कार को महाकाल लोक के समीप त्रिवेणी संग्रहालय पार्किंग में खड़ी की थी।

दर्शन कर लौटे तो कार के कांच फूटे थे- दर्शन करने के बाद जब परिवार लौटा तो कार के कांच फूंटे हुए थे। कार की सीट पर रखा पर्स नदारद था। इसमें पांच हजार रुपये व तीन मोबाइल रखे हुए थे। मामले में महाकाल पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

चुनाव को लेकर सरकार को दी ये चेतावनी

उज्जैन में यूरिया की किल्लत से किसानों में आक्रोश

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

इन दिनों मध्य प्रदेश के कई जिलों में यूरिया खाद की किल्लत हो गई है, जिससे किसान परेशान हैं. प्रदेश के अन्य जिलों की तरह उज्जैन के किसान भी यूरिया की किल्लत से परेशान हैं. उज्जैन के किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द ही यूरिया की कमी को पूरी नहीं की गई, तो इसका असर विधानसभा चुनाव पर भी पड़ेगा. हालांकि प्रशासनिक अधिकारी किसानों की समस्या दूर करने में जुटे हुए हैं.मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव महज कुछ दिन और बाकी हैं. ऐसे में किसानों की नाराजगी सरकार पर भारी पड़ सकती है. धार्मिक नगरी उज्जैन में किसानों को यूरिया की कमी के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. लाखाखेड़ी के रहने वाले किसान राधेश्याम ने बताया कि वे शनिवार (4 नवंबर) को यूरिया की कतार में लगे थे, मगर उन्हें सोमवार (6 नवंबर) को आने को कहा गया था. जब वह सोमवार को अपना टोकन लेकर मंडी में पहुंचे तो बताया

गया कि रविवार को ही खाद बांट दी गई.

'सोयाबीन की फसल का नहीं मिला मुआवजा'

यूरिया की कमी से परेशान किसान प्रभु लाल ने बताया कि वे धन्ना खेड़ी से खाद लेने के लिए आए हैं, मगर उन्हें बेरंग होकर लौटना पड़ रहा है. कृषि उपज मंडी में किसानों के हंगामे को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है. किसानों का यह भी कहना है कि सोयाबीन की फसल में उन्हें काफी नुकसान हुआ है, जिसका मुआवजा तक नहीं मिल पाया है. इसके बाद अब गेहूं की फसल के लिए यूरिया नहीं मिल रही है, जिसकी वजह से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा.

उज्जैन में यूरिया की ब्लैक मार्केटिंग

किसान रामचंद्र का कहना है कि यूरिया ब्लैक मार्केटिंग के जरिए बेची जा रही है. बाजार में यूरिया को 500 से 600 रुपये में बेचा जा रहा है. जिसकी वजह से किसानों को अधिक राशि देकर खाद खरीदनी पड़ रही है, जिससे फसल के लिए होने वाले फायदे में कमी आई है. किसाने की अपनी मजबूरी है जिसका फायदा कालाबाजारी करने वाले धड़ल्ले से उठा रहे हैं. किसानों के आरोपों को इस वजह से भी बल मिलता है कि उज्जैन जिले के उन्हेल में खाद की कालाबाजारी करने वाले पर एफआईआर भी दर्ज हुई है.

जिला प्रशासन ने क्या कहा?

इस संबंध में उज्जैन के डिप्टी कलेक्टर लक्ष्मी नारायण गर्ग ने बताया कि किसानों की समस्या जैसे ही जिलाधीश कुमार पुरुषोत्तम के सामने आई, उन्होंने तत्काल जिला भर के डिप्टी कलेक्टरों को निगाह रखने के निर्देश दिए हैं. यूरिया के वितरण को लेकर मॉनिटरिंग की जा रही है. इसके अलावा कृषि विभाग के माध्यम से यूरिया के आवंटन और मांग की पूर्ति के बारे में भी जानकारी मंगवाई गई है. जहां भी यूरिया की कालाबाजारी की शिकायत मिल रही है, वहां पर परीक्षण के बाद एफआईआर दर्ज कराई जा रही है.

तराना में सचिन पायलट की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब, पायलेट बोलें महेश परमार जैसा नेता सदियों में मिलता हैं...

मंच से भावुक हुई महेश परमार को जिताने सचिन पायलेट की अपील

इस बार 2,200 से नहीं बल्कि 22,000 वोटों से जिता कर भेजों

अंकित जायसवाल ♦ उज्जैन

विधानसभा चुनाव में दोनों हीं पार्टियों का चुनाव प्रचार अंतिम दौर में बड़े जीरो शोरो से चल रहा हैं, सभी अपनी अपनी ताकत लगा रहें हैं, वहीं आज तराना में कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार के पक्ष में राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलेट पहुँचे और ऐतिहासिक जनसैलाब को सम्बोधित किया, और उन्होंने अपील करी की इस बार महेश परमार जैसे जुझारू, सक्रिय और समर्पित युवा को पिछली बार 2018 में आपने 2,200 वोटों से जिताया था इस बार 2023 में कम से कम 22,000 वोटों से जीतकार भोपाल भेजना हैं, तो वहाँ आए हर किसी नें खुल कर इस अपील का समर्थन किया |

यूँ तो उज्जैन में अब तक कई बड़े नेताओं की सभाए हुई और नेताओं नें प्रत्याशीयों के समर्थन में ख़ूब भाषण दिए पर आज जों तराना में देखने को मिला वों सबसे अलग़ था, कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार को वैसे तो ज़िले की राजनीती का दमदार नेता कहाँ हीं जाता हैं पर एक बार फ़िर उसने इस बात को साबित भी कर दिया, भजापा के चाणक्य अमित शाह की चुनावी सभा उज्जैन में हुईं तो गिनती के लोगों को पार्टी जुटा पाई, तो सीएम शिवराज की सभा आज उज्जैन के मालीपुरा में हुईं तो वहाँ भी भाजपा भीड़ जुटाने में फेल रहीं, इन सबके इतर तराना में जब आज कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार के समर्थन में राजस्थान के दिग्गज़ नेता सचिन पायलेट आए तो वों भी चकित थे की यें जनसैलाब अद्भुत हैं, फ़िर क्या था सचिन पायलेट भी महेश परमार के कायल हो गए और मंच से खुल कर अपील करी कहाँ आप |

मेरा जीवन तराना को समर्पित हैं, हर परिस्थिति में साथ खड़ा रहूँगा - महेश परमार

तिलकेश्वर महादेव मंदिर पर पायलेट नें किया पूजन अर्चन

तराना में स्तिथ तिलकेश्वर महादेव मंदिर प्राचीन और सिद्धस्थान हैं 2018 के चुनाव में भी कांग्रेस नें जब चुनाव का शांखनाद किया था तब भी पीसीसी चीफ कमलनाथ यहीं से पूजन अर्चन कर जनसभा को सम्बोधित करने गए थे और आज जब सचिन पायलेट तराना पहुँचे तो वों भी तिलकेश्वर महादेव मंदिर पहुँचे जहाँ उन्होंने पूजन अर्चन किया, यहाँ से चुनावी आशीर्वाद लेकर सभा में जाना महेश परमार के लिए शुभ बताया जाता हैं, सचिन पायलेट नें मंच से तिलकेश्वर महादेव मंदिर लें जाने के लिए परमार को धन्यवाद दिया |

अपने भाषण में भावुक हुई महेश परमार

जब कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार मंच से जनसभा में पहुँचे जनसमूह को सम्बोधित कर रहें थे तब मंच पर सचिन पायलेट भी उन्हें ध्यान से सुन रहें थे, भाषण देतें समय जब महेश नें बोला की यें भाजपा के लोग मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहें हैं, हिन्दू मुस्लिम का ज़हर घोंलने की कोशिश कर रहें हैं, आप सब बताओ की कोरोना काल में जब यें लोग घरों में छुपे थे तब में अपना घर बार छोड़ कर आपकी सेवा में दिन रात लगा था या नहीं, आपकी एक आवाज़ पर रात दो बजे भी में आता हुँ या नहीं, तब महेश का गला भर आया और आँसू झलक गए इस भावुक पल को सभा में आई भीड़ नें सुना और देखा तो हर कोई अपने महेश के लिए भावुक हुआ, फ़िर जब मंच सचिन पायलेट नें लिया तो महेश परमार की लोकप्रियता को ख़ूब सराहा और जनता से अपील करी की इतना ज़ोरदार जनप्रतिनिधि बड़ी सदियों में मिलता हैं इसे ख़ूब प्यार और दुलार दो यें बहुत आगे जायेगा, आप इसे तराना से जिताओं विकास की जवाबदारी मेरी होंगी हम मिलकर तराना और उज्जैन का विकास करेंगे |

उज्जैन में मोक्षदायिनी शिप्रा का पानी दूषित

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

सोमवती अमावस्या का पर्व स्नान करने आए श्रद्धालुओं की आस्था फिर आहत हुई। गंदा और बदबूदार पानी देख लोगों ने नाक सिकोड़कर नदी में डुबकी लगाई। पानी में आक्सीजन स्तर इतना कम हो गया था कि कई मछलियां मर गईं। मालूम हो कि पड़ोसी इंदौर शहर का सीवेज युक्त पांच क्यूमेक प्रदूषित पानी कान्ह नदी के रूप में उज्जैन आकर शिप्रा नदी (स्नान क्षेत्र) में त्रिवेणी घाट के समीप मिलता है। इससे शिप्रा का समूचा स्वच्छ जल भी दूषित हो जाता है।

ऐसा न हो, इसके लिए साल 2016 में शासन ने 100 करोड़ रुपये खर्च कर राघोपिपल्या गांव से कालियादेह महल के आगे तक भूमिगत पाइपलाइन बिछाकर पानी डायवर्ट करने का प्रयास किया था, मगर ये प्रयास पूरी तरह सफल न हुआ।